प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोक प्रेरणा

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 | वर्ष : 03, अंक: 16 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 | गुरूवार, 26 जून 2025 | lokparerna@gmail.com | +91-9255149495

मुख्यमंत्री धामी ने पंजाब में चमोली के राजेश के उत्पीड़न के मामले का लिया संज्ञान

देहरादून/लोक प्रेरणा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के कौब गांव निवासी राजेश के पंजाब में उत्पीड़न के मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने मामले में जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी को युवक के परिजनों से संपर्क कर हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने पंजाब के तरनतारन जनपद के जिलाधिकारी से संपर्क कर राजेश की हर संभव मदद की बात कही है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि मामले जहां जिलाधिकारी तरनतारन ने राजेश की हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। जिलाधिकारी चमोली ने पंजाब के नवा शहर में निवास कर रही राजेश की बहन से भी संपर्क कर हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया है। साथ उन्होंने बताया कि मामले उत्पीड़न करने वाले तबेला संचालक के विरुद्ध तरनतारन थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है।

यह है मामला: बीती बुधवार को लंबे समय बाद राजेश का पंजाब की एक सामाजिक संस्था के कार्यकताओं के साथ बात करने का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें वह अपना घर चमोली के कौब बता रहा है। साथ ही उसने बताया कि वह सालों से तबेले में काम कर रहा है। जहां मालिक की ओर से उसका उत्पीड़न किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी के के निर्देश पर मामले का संज्ञान लेते हुई जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है।

कोयले के गलत खनन से संकट, झरिया के लिए मास्टर प्लान को मंजूरी

योजना पर 5,940 करोड़ 47 लाख रुपये का वित्तीय परिव्यय आएगा

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने कोयले के गलत खनन से संकट का सामना कर रहे झरिया के पुनर्वास से जुड़े मास्टर प्लान में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है। संशोधित योजना पर कुल 5,940 करोड़ 47 लाख रुपये का वित्तीय परिव्यय आएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दी। झरिया कोयला क्षेत्र में कई परिवार आग, भू-धंसाव तथा अन्य समस्याओं से प्रभावित हैं। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के प्रस्तावों की राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना के चरणबद्ध कार्यान्वयन से आग तथा धंसाव से निपटने तथा प्राथमिकता पर प्रभावित परिवारों को अत्यंत विकट स्थलों से सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि कोयला कंपनियों के राष्ट्रीयकरण से बहुत पहले कई वर्षों तक अवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके खनन किया जाता था। इससे दशकों से पूरे झरिया क्षेत्र में भूमिगत आग जल रही है। इससे स्थानीय निवासियों को बहुत परेशानी हो रही है। आग की लपटें अक्सर जमीन से ऊपर उठती हैं और अक्सर जमीन में धंस जाती हैं। उन्होंने बताया कि संशोधित जेएमपी योजना में पुनर्वासित

परिवारों की स्थायी आजीविका के साधन सृजित करने पर जोर दिया गया है। पुनर्वासित परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए विशेष कौशल विकास और रोजगार परक उपाय किए जाएंगे। एक लाख रुपये का आजीविका अनुदान और वैध भू-स्वामित्व धारक (एलटीएच) परिवारों और अपंजीकृत भू-धारक (नॉन-एलटीएच) परिवारों- दोनों को तीन लाख रुपये तक संस्थागत ऋण सहायता दी जाएगी। इसके अलावा पुनर्वासित स्थलों पर सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, सीवरेज, स्कूल, अस्पताल, कौशल विकास केंद्र, सामुदायिक भवन जैसे व्यापक बुनियादी ढांचे और आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। संशोधित झरिया मास्टर प्लान कार्यान्वयन समिति की सिफारिशों के अनुसार इन प्रावधानों को लागू किया जाएगा। इससे समग्र और मानवीय पुनर्वास सुनिश्चित होगा। पुनर्वासित व्यक्तियों के आजीविका उपायों के लिए समर्पित झरिया वैकल्पिक आजीविका पुनर्वास कोष स्थापित किया जाएगा। इस क्षेत्र में संचालित बहु कौशल विकास संस्थानों के सहयोग से वहां कौशल प्रदान करने संबंधी विकास पहल भी की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को स्वीकृति

केन्द्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना को स्वीकृति दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के प्रस्तावों की राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी।

उनके अनुसार इस निवेश का मुख्य उद्देश्य आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन और मूल्य संवर्धन में सुधार करके खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है।

पुणे मेट्रो चरण-2 के लिए 3,626 करोड़ रुपये मंजूर किए

वनाज से चांदनी चौक और रामवाड़ी से विट्ठलवाड़ी तक विस्तार, 13 नए स्टेशन

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के लिए 3,626.24 करोड़ रुपये मंजूर किए। इस चरण के अंतर्गत दो नए एलिवेटेड कॉरिडोर वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी) बनाए जाएंगे। ये दोनों मार्ग मौजूदा वनाज-रामवाड़ी कॉरिडोर (फेज-1) का विस्तार होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत बनने वाले दोनों कॉरिडोर की कुल लंबाई 12.75 किलोमीटर होगी और इन पर कुल 13 स्टेशन बनाए जाएंगे। यह विस्तार पुणे के तेजी से विकसित हो रहे चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे उपनगरों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इस परियोजना को अगले चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लाइन के विस्तार के पूरा होने के बाद पुणे मेट्रो का कुल विस्तार 80 किमी के करीब हो जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3626.24 करोड़ रुपये है, जिसे केंद्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। परियोजना का क्रियान्वयन महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (महा-मेट्रो) द्वारा किया जाएगा, जो सिविल, इलेक्ट्रो-मेकैनिकल व अन्य कार्यों को अंजाम देगा। वैष्णव ने कहा कि फेज-2 का यह विस्तार पुणे की समग्र मोबिलिटी योजना (सीएमपी) के तहत चांदनी चौक से वाघोली तक सतत मेट्रो कॉरिडोर की परिकल्पना को साकार करता है। यह विस्तार न केवल प्रमुख आईटी हब, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और रिहायशी इलाकों को जोड़ेगा, बल्कि ज़िला न्यायालय स्टेशन पर लाइन-1 (निगड़ी-कात्रज) और लाइन-3 (हिंजवड़ीझडिस्ट्रिक्ट कोर्ट) से भी इंटरचेंज सुविधा देगा, जिससे यात्री निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। वर्ष 2027 तक लाइन-2 पर प्रतिदिन अनुमानित अतिरिक्त सवारियों की संख्या 96,000 होगी, जो 2037 में 2.01 लाख, 2047 में 2.87 लाख और 2057 में 3.49 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि परियोजना के तहत चांदनी चौक से मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों की अंतरराज्यीय बस सेवाओं को, वहीं वाघोली से अहिल्या नगर और छत्रपति संभाजी नगर से आने वाली सेवाओं को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

इससे पौड रोड और नगर रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और पुणे को एक सुरक्षित, तेज और पर्यावरण अनुकूल परिवहन विकल्प मिलेगा।

बारिश के बाद फिर शुरू हुई केदारनाथ यात्रा

रुद्रप्रयाग/लोक प्रेरणा

बीते मंगलवार देररात्रि से तड़के तक हुई मूसलाधार बारिश के चलते बुधवार को केदारनाथ यात्रा बारिश रुकने तक रोकी गई। इस दौरान सोनप्रयाग में हजारों यात्री रोके गए, जिन्हें सुबह बारिश रुकने के बाद 9 बजे से धाम के लिए रवाना किया गया। गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों को जवानों की मौजूदगी में रास्ता पार कराया गया। बुधवार तड़के से तेज बारिश के बीच रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर सोनप्रयाग के समीप भूस्खलन जोन में पहाड़ी से पत्थर व मलबा गिर रहा था, जिस कारण यात्रियों को गौरीकुंड के लिए रवाना नहीं किया गया।

खड़गे के बयान पर भाजपा का पलटवार, मोदी पर की गई टिप्पणी को निंदनीय बताया

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में की गई टिप्पणी को निंदनीय बताया है। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा कि "यह एक काला दिन है। आपातकाल लागू करना भारतीय लोकतंत्र पर सीधा हमला था। कांग्रेस पार्टी घबराई हुई है और मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी उस दौर के संघर्ष के बारे में अज्ञानता को दशार्ती है।" उन्होंने कहा कि चाहे

खड़गे हों या जयराम रमेश, उन्हें आपातकाल के दौरान झेले गए दर्द और पीड़ा का अंदाजा नहीं है। कांग्रेस नेता इस बात से अनजान हैं कि आम भारतीयों को किस तरह की पीड़ा से गुजरना पड़ा। लगभग 1.5 लाख लोगों को रातों-रात जेल में डाल दिया गया और बिना कैबिनेट के फैसले के आधी रात को आपातकाल लागू कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेसवार्ता में आपातकाल की 50 वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा।

हिमाचल में मानसून का कहर, धर्मशाला में बाढ़ से कई मजदूर बहे, कुल्लू में बादल फटने से तबाही

शिमला/लोक प्रेरणा

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने बुधवार को भारी तबाही मचाई है। बीते 24 घंटों से हो रही मूसलधार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सबसे बड़ी घटना कांगड़ा जिले के मुख्यालय धर्मशाला में सामने आई, जहां खनियारा की मणुणी खड्ड में बाढ़ आने से हाइड्रो प्रोजेक्ट में कार्यरत करीब 15 से 20 मजदूर बह गए। अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने इस हृदय विदारक घटना की पुष्टि करते हुए इसे अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये मजदूर इंदिरा प्रियदर्शनी हाइड्रो प्रोजेक्ट के समीप खड्ड किनारे बने अस्थायी शेड में रह रहे थे। लगातार बारिश के कारण मणुणी खड्ड में अचानक जलस्तर बढ़ गया और मजदूर तेज बहाव में बह गए। उन्होंने कहा कि प्रशासन, एसडीआरएफ और पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।

अब तक जिन दो शवों को बरामद किया गया है, वे लूंटा और नगुणी क्षेत्र से मिले हैं। इनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, लेकिन यह पुष्टि हुई है कि दोनों प्रवासी मजदूर हैं। स्थानीय पंचायत की ओर से पहले ही हाइड्रो कंपनी द्वारा खड्ड में भारी मलबा डंप करने की शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। एसडीएम धर्मशाला मोहित रत्न ने बताया कि घटना की जांच जारी है और लापता लोगों की तलाश प्राथमिकता पर है।

नवंबर 2025 में राजस्थान में होंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को घोषणा की कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन इस वर्ष नवंबर में राजस्थान के जयपुर शहर में होगा। इस बहुप्रतीक्षित आयोजन की मेजबानी पूर्णिमा यूनिवर्सिटी और राजस्थान यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से करेंगी। यह खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का पांचवां संस्करण होगा, जिसकी शुरूआत फरवरी 2020 में हुई थी। इस बार प्रतियोगिता में देशभर की 200 से अधिक यूनिवर्सिटियों से 4,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता 25 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों के लिए होगी और इसमें कम से कम 20 खेलों को शामिल किया जाएगा। डॉ. मांडविया ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 नवंबर में राजस्थान में आयोजित किए जाएंगे। ये प्रतियोगिताएं उन खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर हैं जो राष्ट्रीय मंच पर अपना कौशल दिखाकर देशभर के टैलेंट स्काउट्स को प्रभावित करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर यूनिवर्सिटी खिलाड़ी बहु-खेल आयोजनों में अपना दबदबा रखते हैं और उम्मीद जताई कि राजस्थान में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

पिछले वर्ष के आंकड़े:

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 का आयोजन पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों झ असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैंड और त्रिपुरा झ में संयुक्त रूप से किया गया था। प्रतियोगिता में 4,500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 770 पदक (240 स्वर्ण, 240 रजत, 290 कांस्य) दांव पर लगे थे।

भारतीय मजदूर संघ की 70वीं वर्षगांठ पर दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन, संघ प्रमुख होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारतीय मजदूर संघ अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 23 जुलाई को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मुख्य अतिथि होंगे और देशभर से हजारों कार्यकर्ता भी इस समारोह में हिस्सा लेंगे। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय महामंत्री रवींद्र हिमते ने

बुधवार को दिल्ली के हरियाणा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। इस दौरान क्षेत्रीय संगठन मंत्री अनुपम और दिल्ली प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र चाहर भी मौजूद रहे। हिमते ने बताया कि इस 70 वर्ष की यात्रा का उद्घाटन कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया था और समापन दिल्ली में डॉ. भागवत की उपस्थिति में होगा। इसमें दिल्ली के करीब 110 संगठनों से 10,000 कार्यकर्ता शामिल होंगे। साथ ही केंद्र और राज्यों के मंत्रियों को भी इस आयोजन में आमंत्रित किया गया है।

देश में मानसून की रफ्तार तेज, अगले 7 दिनों तक कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली

देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय है। यह अब राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 7 दिनों तक देश के उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। विशेष रूप से 25 जून की रात को ओडिशा और गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान गुजरात और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई।

पीयूष गोयल ने पीएलआई योजना पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक के दौरान पीएलआई योजना के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत पर जोर दिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने यह विचार पीएलआई योजना की समीक्षा बैठक के दौरान व्यक्त किए। केंद्रीय मंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि भारत को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनमें भारत को अन्य देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि देश का निर्यात बढ़ सके। यह योजना विनिर्माण क्षेत्र में भारत

को "आत्मनिर्भर" बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहलों में से एक है। गोयल ने पीएलआई योजना के तहत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयों को मात्रा पर ध्यान देने के बजाय गुणवत्तापूर्ण कुशल जनशक्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए और एनआईसीडीसी के साथ मिलकर बुनियादी ढांचे की बाधाओं को दूर करना चाहिए। उन्होंने निवेश और संवितरण दोनों पर अगले पांच वर्षों के लिए प्रारूप तैयार करने पर बल दिया। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों ने भाग लिया। गोयल ने प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और निर्यात प्रतिस्पर्धा की जरूरत पर बल दिया। केंद्रीय मंत्री ने कौशल पहलों में मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता पर भी बल दिया। मंत्रालय के मुताबिक पीएलआई योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। इस योजना में 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे मार्च 2025 तक 16.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन, बिक्री और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं। इसके अलावा पीएलआई योजनाओं के तहत 12 क्षेत्रों अर्थात व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, विशेष इस्पात, कपड़ा और ड्रोन और ड्रोन घटक के लिए 21,534 करोड़ रुपये की संचयी प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की घोषणा की थी। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। इन योजनाओं ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित किया है, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है, रोजगार सृजन हुआ है और निर्यात को बढ़ावा मिला है।

मनाली घूमने गए सतनाली के परिवार पर हमला, मामला दर्ज

लोक प्रेरणा

सतनाली। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल मनाली में अपने परिवार सहित घूमने गए पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित सतनाली निवासी प्रदीप कुमार ने मामले में मनाली थाने में शिकायत देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गए थे और किराए की स्कूटी पर टेलीफोन एक्सचेंज के पास पहुंचे जहां ट्रैफिक जाम लगा हुआ था। जाम में फंसे कुछ स्थानीय लोगों ने स्कूटी हटाने को कहा जिस पर उसकी कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि स्थानीय लोगों ने उनके परिवार हमला कर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट के दौरान प्रदीप की पत्नी की गोद से उनकी चार महीने की बच्ची गिर गई। घटना के बाद आरोपी एक कार में मौके से फरार हो गए। उन्होंने मनाली पुलिस में शिकायत देकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। मनाली थाना प्रभारी मुनीश राज शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 126(2), 115(2), 352, 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम को आरोपियों की तलाश में रवाना कर दिया गया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मनाली आने वाले पर्यटकों के साथ ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया एम3एम फाउंडेशन की नींव से शिखर तक पहल का फ्लैग ऑफ

लोक प्रेरणा

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की प्रेरणादायक सेवा के उपलक्ष्य में एम3एम फाउंडेशन ने एक ऐतिहासिक पहल की है। फाउंडेशन ने हरियाणा की आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाली 11 बेटियों को निःशुल्क पर्वतारोहण प्रशिक्षण का अवसर देकर उनके सपनों को पंख दिए हैं।

इन बालिकाओं का चयन 200 से अधिक आवेदनों में से किया गया। यह सभी प्रतिभाशाली बेटियाँ अब अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलायड स्पोर्ट्स, मनाली में 1 जुलाई से 26 जुलाई 2025 तक चलने वाले 26 दिवसीय बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स में भाग लेंगी। इस विशेष कार्यक्रम को नींव से शिखर तक नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य है झ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों को पर्वतारोहण जैसी चुनौतीपूर्ण विधा में प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त और प्रेरणास्त्रोत बनाना। यह कार्यक्रम एम3एम फाउंडेशन द्वारा हर दो साल में चार बैचों के

माध्यम से आयोजित किया जाएगा, और उनमें से 5 चयनित बेटियों को माउंट एवेरेस्ट ट्रैकिंग का सुनहरा अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र से इन बेटियों को 'फ्लैग ऑफ' कर उनके हौसले को सलाम किया और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर एम3एम फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री ऐश्वर्या महाजन और फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. पायल कनोडिया भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर डॉ. पायल कनोडिया ने कहा कि एम3एम फाउंडेशन यह मानती है कि अगर अवसर मिले तो कोई भी बच्चा अपनी सीमाओं को पार कर सकता है। ह्यनींव से शिखर तकह्ल सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व और सपनों को साकार करने का माध्यम है। यह पहल प्रधानमंत्री के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और कौशल भारत जैसे अभियानों को सशक्त करती है। यह सामाजिक उत्तरदायित्व का एक जीवंत उदाहरण है, जिससे न केवल बेटियाँ आगे बढ़ेंगी, बल्कि देश को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में नशा मुक्ति पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

लोक प्रेरणा

लोहारू। स्थानीय चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को यूथ रेड क्रॉस एवं एनएसएस के सयुंक्त तत्वाधान में कार्यकारी प्राचार्य डॉ. उमेद जांगिड़ की अध्यक्षता में नशा मुक्ति पर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

प्राचार्य डॉ. उमेद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा हमारे समाज को खोखला कर रहा है और युवाओं को सबसे अधिक अपनी चपेट में ले रहा है युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए एवं अपने आस पास के लोगो को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रियंका एमए अंतिम वर्ष ने प्रथम स्थान, ज्योति एमए प्रथम वर्ष ने द्वितीय एवं कंचन एमए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्याार्थियों सकारात्मक उर्जा का संचार होता है और कुछ नया सीखने का मौका भी मिलता है। इस अवसर पर डॉ. सीमा, रमेश कुमार, सोनू, डॉ. विनोद मान, किरण बाला, बाला आदि स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्यार तकरार और फैमिली ड्रामा: नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया - मीठी धुन के साथ दिलचस्प दृश्य

लोक प्रेरणा

गुडगाँव। जब एक शांत 42 वर्ष के पुरुष का सामना अपने उस पहलू से होता है, जिसके बारे में वह कभी जानता ही नहीं था, तब उसके द्वारा अपने जीवन के नियमों को दोबारा लिखने की शुरूआत होती है, फिर इसके बाद क्या होता है? नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया है। इसमें आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी और फातिमा साना शेख मधु बोस के किरदार में हैं। यह सुखद फैमिली ड्रामा सबसे अप्रत्याशित परिस्थितियों में ह्यबराबरी वाला प्यार खोजने के अपनेपन, संबंध और सुंदरता को पेश करता है।

आप जैसा कोई में माधवन ने लंबे इंतजार के बाद रोमांस की शैली में वापसी की है। इसमें वो फातिमा साना शेख के साथ एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो आंतरिक स्वतंत्रता और बराबरी वाला प्यार का असली मतलब पेश करती है। इसका निर्देशन विवेक सोनी (मीनाक्षी सुंदरेश्वर) ने और निर्माण धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने किया है। इस फिल्म में आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास आदि ने भी सशक्त अभिनय किया है। हर किरदार ने परिवार, पहचान, पितृसत्ता, और भावनात्मक सच्चाई की उन बारीकियों का चित्रण बहुत खूबसूरती से किया है, जो अक्सर हमें स्वयं नहीं मालूम होती हैं।

फिल्म की रिलीज के बारे में रुचिका कपूर शेख, डायरेक्टर, ओरिजनल फिल्म्स, नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा, आप जैसा कोई एक रोमांस ड्रामा है। यह टूटी हुई उम्मीदों और परंपराओं के बंधन के बीच पनपते प्यार को दिखाता है। विवेक सोनी ने बहुत खूबसूरत दृश्य दिए हैं। दूसरी तरफ, आर. माधवन, फातिमा साना शेख, आयशा रजा तथा अन्य कलाकारों ने बहुत ही सशक्त अभिनय किया है। इस फिल्म में प्यार की जटिलताओं पर हल्की चोट की गई है। धर्मेटिक एंटरटेनमेंट फिल्म में रोमांस पेश करने में माहिर हैं। उन्होंने यह क्लासिक कहानी आधुनिक शैली में पेश की है। यह नेटफ्लिक्स पर इस साल पेश की जा रही बेहतरीन फिल्मों में से एक है।

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन 11 जुलाई से

लोक प्रेरणा

सतनाली। बाबा भैरव दल सेवा समिति द्वारा कस्बा स्थित बाबा भैरव मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन 11 जुलाई से 17 जुलाई तक किया जाएगा। इस दौरान श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ में अनिल पारीक शास्त्री जी द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर सवा 12 बजे से सांय सवा चार बजे तक रहेगा। कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह से पूर्व 11 जुलाई को सुबह सवा 8 बजे से भव्य कलश यात्रा का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें सैकड़ों महिलाएं भाग लेगी। कलश यात्रा सतनाली कस्बे के विभिन्न मार्गो व मुख्य बाजारों से होकर गुजरेगी। बाबा भैरव दल सेवा समिति ने श्रद्धालुओं से धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत कर पुण्य के भागी बनने का आह्वान किया।

मोटापा और लाइफस्टाइल के कारण युवतियों में बढ रहे हैं फाइब्रॉइड के मामले

लोक प्रेरणा

गुरूग्राम। गुरूग्राम स्थित मदरहुड अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और वरिष्ठ सलाहकार डॉ. श्वेता वजीर ने कहाॅ की, आजकल महिलाओं में प्रजनन से जुड़ी बीमारियाँ बढ़ती जा रही हैं। खासकर २०-३० साल की उम्र की लड़कियों और महिलाओं में यूटेरिन फाइब्रॉइड यानी गर्भाशय में गांठें बनने के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इसका कारण अभी तक सामने नही आया हैं, लेकिन मोटापा, बैठे-बैठे रहने की आदत, हार्मोनल बदलाव और पारिवारिक इतिहास के कारण महिलाओं में फाइब्रॉइड की समस्या दिखाई दे रही हैं। आजकल महिलाओं के देर से मां बनने की वजह से भी यह खतरा बढ़ रहा है। जब महिला गर्भवती नहीं होती, तो ज्यादा बार पीरियड्स होते हैं, जिससे शरीर में लंबे समय तक एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ा रहता है, जो फाइब्रॉइड को बढ़ावा दे सकता है।

हर फाइब्रॉइड से लक्षण नहीं होते, लेकिन अगर इलाज न हो तो ये गर्भधारण में दिक्कत पैदा कर सकते हैं। सही समय पर निदान और इलाज काफी जरूरी हैं। ताकि प्रजननसंबंधी समस्या को दूर किया जा सकता हैं।

यूटेरिन फाइब्रॉइड क्या होते हैं?

ये गर्भाशय में बनने वाली कैंसर रहित (साधारण) गांठें होती हैं। ये कई तरह की हो सकती हैंः

इंट्राम्यूरल फाइब्रॉइड - जो गर्भाशय की मांसपेशियों में होते हैं और दर्द या दबाव दे सकते हैं।

सबम्यूकोसल फाइब्रॉइड -जो गर्भाशय की अंदर की परत के नीचे होते हैं और भारी ब्लीडिंग कराते हैं।

सबसेरोसल फाइब्रॉइड - जो बाहर की दीवार पर होते हैं और पेट फूलना या बार-बार पेशाब जैसी परेशानी करते हैं।

पेडंक्युलेटेड फाइब्रॉइड - जो डंडी जैसे आकार में होते हैं और मुढ़ने पर तेज दर्द देते हैं।

इन समस्याओं के लिए डॉक्टर से समय पर सलाह लेना जरूरी है।

गुरूग्राम स्थित मदरहुड अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और वरिष्ठ सलाहकार डॉ. श्वेता वजीर ने कहाॅ की, ह्लआज २०-३० साल की उम्र की महिलाओं में फाइब्रॉइड तेजी से बढ़ रहे हैं। यह मोटापा, गलत खानपान, तनाव, जल्दी पीरियड्स शुरू होना, व्यायाम की कमी और हार्मोनल गड़बड़ी के कारण ऐसा होता हैं ।

हर महीने २-३ महिलाएं फाइब्रॉइड की समस्या लेकर इलाज के लिए आती हैं। ज्यादा या लंबे समय तक पीरियड्स आना, पेट में दर्द या भारीपन, बार-बार पेशाब लगना, सेक्स के समय दर्द और प्रेग्नेंसी में दिक्कत इसके प्रमुख लक्षणं हैं। इंडियन जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी रिसर्च के अनुसार, अब ३५ वर्ष से कम उम्र की लगभग ३०% महिलाएं फाइब्रॉइड से जुड़े लक्षणों की शिकायत कर रही हैं। इससे लगातार दर्द, कमजोरी और थकान हो सकती है। साथ ही प्रजनन पर असर होने से मानसिक तनाव, चिंता या डिप्रेशन भी हो सकता है।ह्व

डॉ. वजीर ने आगे कहाॅ की, ह्लइलाज इस बात पर निर्भर करता है कि फाइब्रॉइड कितने बड़े हैं, क्या लक्षण हैं और महिला मां बनना चाहती है या नहीं।

दवाओं से हार्मोन को कंट्रोल किया जा सकता है। नई तकनीक जैसे एमआरआय गाइडेड अल्ट्रासाउंड से भी इलाज किया जा सकता है। अगर फाइब्रॉइड फैलोपियन ट्यूब को ब्लॉक कर दे, या गर्भाशय की शेप बिगाड़ दे, तो प्रेग्नेंसी में दिक्कत आती है। ऐसे में मायोमेक्टॉमी (गांठ हटाने की सर्जरी), हार्मोनल ट्रीटमेंट या आयवीएफ जैसे उपाय मदद कर सकते हैं। कभी-कभी सी सेक्शन के दौरान भी फाइब्रॉइड निकाले जाते हैं। प्रजनन आयु की महिलाओं के लिए नियमित जांच और समय रहते पहचान फायदेमंद हो सकती है। वजन नियंत्रित करना, व्यायाम करना और पौष्टिक आहार जैसे जीवनशैली में बदलाव फाइब्रॉइड के जोखिम को कम कर सकते हैं। महिलाएं फाइब्रॉइड को नजरअंदाज न करें और सही समय पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।ः

श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर को मिला प्रशासक

सेवानिवृत्त जिला राजस्व अधिकारी टी.आर. गौतम ने संभाला कार्यभार

एकजोत

शाहाबाद मारकंडा। श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर में लंबे समय से चल रहे प्रबंधन विवाद और शिकायतों के मद्देनजर अब मंदिर संचालन में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। मंदिर के सुचारू संचालन और पारदर्शिता को बनाए रखने के उद्देश्य से सेवानिवृत्त जिला रेवेन्यू अधिकारी टी.आर. गौतम को मंदिर का प्रशासक नियुक्त किया गया है। उन्होंने मंगलवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। यह नियुक्ति जिला रजिस्ट्रार सहकारी समितियां कुरुक्षेत्र द्वारा की गई है, जिन्होंने शिकायतकर्ता और वर्तमान मंदिर प्रबंधन की सुनवाई के बाद यह अहम फैसला लिया। आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान प्रबंध समिति मंदिर का संपूर्ण प्रभार, संपत्ति तथा सभी संबंधित अभिलेख तत्काल प्रभाव से

प्रशासक को सौंपे। प्रशासक के रूप में टी.आर. गौतम को मंदिर के दैनिक कार्यकलापों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही, उन्हें आगामी समय में नियमानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों का आयोजन भी सुनिश्चित करना होगा, ताकि मंदिर का संचालन लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप हो सके। शिकायतकर्ता और मंदिर के संस्थापक सदस्य विजय भूषण गर्ग और आशुतोष गर्ग ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि मंदिर प्रबंधन को लेकर काफी समय से कई अनियमितताओं की शिकायतें थीं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि अब नए प्रशासक के नेतृत्व में मंदिर का संचालन मर्यादित और धर्म सम्मत ढंग से होगा।

स्थानीय श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों में मिली-जुली प्रतिक्रिया :

इस बदलाव को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोगों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे मंदिर की गरिमा और पारदर्शिता को बनाए रखने की दिशा में सकारात्मक पहल बताया है, वहीं कुछ लोगों ने चिंता भी जताई कि मंदिर प्रशासनिक खींचतान का केंद्र न बन जाए।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का केंद्र है मंदिर :

गौरतलब है कि श्रीमद् देवी भगवती बाला सुंदरी मंदिर, शाहाबाद क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। नवरात्रों और अन्य पर्वों पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर न केवल धार्मिक गतिविधियों का केंद्र है, बल्कि सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन स्थल है।

समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना सराहनीय कार्य: सुरेंद्र कौशिक

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा सतनाली में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

लोक प्रेरणा

सतनाली। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा इलाका सतनाली द्वारा कस्बे में समाज की मेधावी व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला प्रमुख सुरेंद्र कौशिक ने शिरकत की जबकि अध्यक्षता सभा के प्रधान कै. अशोक कुमार ने की। इस दौरान सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती, यदि उन्हें उचित मंच मिले तो वे खुद को साबित कर हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकती है। समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने तथा उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए श्री गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा की गई पहल सराहनीय है। इस प्रकार के आयोजन से समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच व प्रोत्साहन मिलता है जिससे उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने सभा द्वारा समाज हित में किए जा रहे क्रियाकलापों व कार्यों की सराहना की तथा कहा कि समाज एकजुटता से ही आगे बढ़ सकता है तथा समाज को आगे बढ़ाना तथा उसे पहचान दिलाना सामूहिक दायित्व है। इस दौरान उन्होंने अपने निजी कोष से 11 हजार रुपये सभा को देने की घोषणा की। सुरेंद्र कौशिक ने समाज की प्रतिभाओं को उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके पश्चात श्री गौड ब्राह्मण सभा ने समाज हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया तथा समाज की समस्याओं बारे विचार विमर्श किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान पीआरएस स्कूल के निदेशक अमरनाथ सुरोलिया ने सभा को 51 सौ रुपये की राशि भेंट की। इस मौके पर सज्जन शर्मा, प्रवीण शर्मा, रामचंद्र बारडा, निरंजन लाल डिगरोता, पुरुषोत्तम शर्मा, मनोज शर्मा, सुभाष कौशिक, वेद प्रकाश नांगल माला, रामकिशन सुरेहती, मनीराम श्यामपुरा, बाबूलाल माधोगढ़, हनुमान शर्मा, राजेश शास्त्री, कृष्ण भारद्वाज सहित श्री गौड ब्राह्मण सभा के अनेक पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

अपराध को बढ़ावा देती है नशे की प्रवृति, नशे की प्रवृति से रहें दूर: अशोक कुमार

-लोहारू पुलिस ने नशे के दुष्प्रभाव के प्रति आमजन को किया जागरूक

लोक प्रेरणा

लोहारू। पुलिस कप्तान के निदेर्शानुसार भिवानी जिले में नशामुक्त अभियान के तहत बुधवार को उपमंडल के गांव सोहांसड़ा में लोहारू पुलिस की टीम ने थाना प्रभारी अशोक कुमार के नेतृत्व में नशामुक्त हरियाणा अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया गया। थाना प्रभारी अशोक कुमार ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि नशा हमारे शरीर, परिवार, समाज और देश का सबसे बडा दुश्मन है, इससे दूर रहें और दूसरों को भी दूर रखें। नशे की लत

लगने के कारण व्यक्ति को अपना शरीर, परिवार इत्यादि उसको कुछ दिखाई नहीं देता, वह नशे के लिए अपराध करने से भी नहीं हिचकता और नशे के पीछे भाग कर अपनी जिन्दगी को बर्बाद कर लेता है। नशा पूरे परिवार को भी बर्बाद करता है, इसलिए घर के जिम्मेवार सदस्य होने के नाते अपने परिवार की तरफ ध्यान देकर नशे से बचें, नशा ना करने की शपथ लें। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि यदि कोई व्यक्ति नशे का सामान बेचता है तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें ताकि नशा तस्करी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पता पूर्ण रुप से गुप्त रखा जाएगा। इस मौके पर सरपंच राजकुमार नागर, मा. राजेश डांगी सहित गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पोको F7 लॉन्च: बड़ी बैटरी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ नया स्मार्टफोन

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। भारत का प्रमुख कंज्यूमर टेक ब्रांड पोको अपनी मशहूर F-सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको F7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़-भाग में लगे यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिजाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है।

पोको F7 में 7550mAh की भारत की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। यह बैटरी 90W टर्बो चार्जिंग और 22.5W रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यूजर्स पूरे दिन और उससे भी अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सब महज 7.99mm पतली बॉडी में समाया है, जिससे यह भारत का सबसे पतला फोन बन गया है, जिसमें इतनी बड़ी बैटरी दी गई हो।

F7 की कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। इस फोन में सेगमेंट का सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिलता है। इसमें स्नैपड्रैगन 8s Gen 4 चिपसेट है, जो 2.1 मिलियन से अधिक का AnTuTu स्कोर देता है झ यह इस कैटेगरी में एक रिकॉर्ड है। साथ ही इसमें है LPDDR5X मेमोरी, UFS 4.1 स्टोरेज और कुल 24GB (12GB + 12GB) टर्बो RAM, जो इसे परफॉर्मेंस के मामले में अपने वर्ग में अव्वल बनाते हैं। पोको का कस्टम HyperOS 2.0, AI के साथ एक स्मूद और रेस्पॉन्सिव अनुभव देता है। IceLoop कूलिंग सिस्टम, अ720 बिग-कोर आर्किटेक्चर के साथ, फोन को ज्यादा इस्तेमाल के दौरान भी ठंडा बनाए रखता है।

इसमें 6.83 इंच का 1.5K AMOLED डिस्प्ले है, जिसमें 120Hz का रिफ्रेश रेट और अल्ट्रा नैरो बेजल्स दिए गए हैं। यह अपने सेगमेंट का सबसे बड़ा और शानदार डिस्प्ले है, जो गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और क्रिएटिव वर्क के लिए एकदम परफेक्ट है।

इस लॉन्च पर प्रतिक्रिया देते हुए पोको इंडिया के कंट्री हेड हिमांशु टंडन ने कहा, "पोको F7 के साथ हमने यूजर्स की असली जरूरत को प्राथमिकता दी है - बिना किसी समझौते के जबरदस्त ताकत। यह सिर्फ बड़ी बैटरी या तेज चार्जिंग की बात नहीं है, बल्कि इसमें वो सबकुछ है जिसकी आज के यूजर को जरूरत है झ पावरफुल परफॉर्मेंस, शानदार डिजाइन, मजबूती और बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस झ वो भी एक पतले और किफायती पैकेज में। F7वाकई में वो पावरफुल फोन है जिसका भारत को इंतजार था।"

पोको F7 को क्या बनाता है खास?

ड्ड स्नैपड्रैगन® 8s Gen 4 – 2.1 मिलियन+ AnTuTu स्कोर और A720 आर्किटेक्चर के साथ बेहतरीन प्रोसेसिंग और ऊर्जा दक्षता।

भारत की सबसे बड़ी बैटरी – 7550mAh सिलिकॉन कार्बन बैटरी, जो 90ह फास्ट चार्जिंग और 22.5W रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

सबसे पतला बैटरी फोन – 7.99mm पतली बॉडी में 7550mAh बैटरी, साथ ही IP66, IP68 और IP69 जैसी दमदार ड्यूरेबिलिटी रेटिंग्स।

बेहतर थर्मल कंट्रोल -आइसलूप कूलिंग सिस्टम के साथ, जो गेमिंग या हैवी यूज के दौरान भी हीटिंग को नियंत्रित करता है।

प्रीमियम ग्लास-मेटल डिजाइन -दोनों तरफ Corning® Gorilla® Glass 7i और बोल्ड कैमरा डेको के साथ आकर्षक लुक।

24GB टर्बो RAM (12GB + 12GB वर्चुअल) + UFS 4.1 स्मूद मल्टीटास्किंग और तेज ऐप लोडिंग के लिए अगली पीढ़ी की मेमोरी।

6.83 इंच 1.5K एमोलेड डिस्प्ले, 120z रिफ्रेश रेट और अल्ट्रा-स्लिम बेजल्स के साथ झ बेहतरीन विजुअल अनुभव के लिए।

ड्ड 550MP Sony IM882 कैमरा (OIS के साथ) + 20MP सेल्फी कैमरा -अल्ट्रा स्नैपशॉट मोड से फ्लैगशिप जैसी फोटोग्राफी।

उपलब्धता और लॉन्च ऑफर्स

पोको F7 की बिक्री 1 जुलाई से विशेष रूप से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी, जिसमें 12+256GB वैरिएंट की शुरूआती कीमत 29,999 रूपए और 12+512GB वैरिएंट की कीमत 31,999 रूपए होगी। पहले दिन के सेल ऑफर के तहत, उपभोक्ता एचडीएफसी, एसबीआई या आईसीआईसीआई बैंक काड्र्स का उपयोग करके 2,000 रूपए की तत्काल बैंक छूट और 2,000 रूपए का एक्सचेंज बोनस प्राप्त कर सकते हैं। ये ऑफर स्वतंत्र रूप से या बैंक ऑफर के साथ बंडल में लागू हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पोको 1 साल का मुफ्त स्क्रीन डैमेज प्रोटेक्शन (मूल्य 10,000 रूपए) और 1 साल की अतिरिक्त वारंटी दे रहा है, जिससे ग्राहकों को कुल 2 साल का वारंटी कवरेज मिलेगा। ये लॉन्च डे लाभ केवल 1 जुलाई को डिवाइस खरीदने वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे। इन सभी फायदों को देखते हुए पोको F7 न केवल एक परफॉर्मेंस पावरहाउस है, बल्कि अपनी श्रेणी में सबसे अच्छी डील भी है।

गुप्त नवरात्रि आज से, मंदिरों में होगी देवी मां की विशेष पूजा, खरीदारी के बनेंगे 10 विशेष संयोग

अमित वालिया, सतनाली

सनातन धर्म में नवरात्रि का पर्व बहुत शुभ माना जाता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष में तीज-त्योहारों के साथ ही 26 जून से गुप्त नवरात्र की शुरूआत होगी। इस दौरान नौ दिन तक महाविद्याओं की खास साधना की जाएगी। यह मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के लिए समर्पित है। गुप्त नवरात्रि को तंत्र-मंत्र और गुप्त सिद्धियों के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान देवी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कहते हैं कि इस दौरान कठिन उपवास करने से सभी तरह के रोग-दोष दूर होते हैं। गुप्त नवरात्रि में खरीदारी के लिए 10 से अधिक योग संयोग भी रहेंगे। वहीं छह जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरूआत होगी। इस दिन भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे। पंडित दिनेश मिश्रा के अनुसार जब भी नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ होती है तो मां पालकी (डोली) में सवार होकर आती है। गुप्त नवरात्रि के दौरान तेज बारिश के योग भी बनेंगे। देवी मंदिरों में घट स्थापना के साथ हवन, पुष्पांजलि और महाआरती होगी। सप्तशती के मंत्रों से यज्ञ में आहुतियां दी जाएंगी। शतचंडी, ललिता सहस्त्रनाम और सप्तशती का पाठ होगा।

खरीदारी के लिए ये 10 संयोग अहमः-

प. मिश्रा के अनुसार 26 जून सर्वार्थ सिद्धि योग, 27 को सर्वार्थ सिद्धि व राजयोग, 28, 29 को रवि योग, 30 जून को कुमार, रवि व सिद्धि योग, 1 जुलाई को रवि व त्रिपुष्कर योग, 2 को सर्वार्थ सिद्धि योग, 3 को रवि योग तथा 4 जुलाई को रवि व शिव योग खरीदारी के लिए शुभ योग है। गुप्त नवरात्रि के दौरान घटस्थापना समय 26 जून को सुबह 05 बजकर 25 मिनट से लेकर सुबह 06 बजकर 58 मिनट तक रहेगा जबकि अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 56 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 52 मिनट तक रहेगा।

वित्त वर्ष 2025 में भारत के निर्यात ने वैश्विक वृद्धि को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को ग्लोबल स्लोडाउन के बावजूद कुल निर्यात में 825 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड उच्च कारोबार तक पहुंचने के लिए भारतीय निर्यातकों की सराहना की। एक्जिम बैंक ट्रेड कॉन्क्लेव 2025 में अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "भारत का कुल निर्यात 825 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की वृद्धि और 2013-14 के 466 बिलियन डॉलर की तुलना में शानदार वृद्धि को दर्शाता है, जबकि वैश्विक निर्यात में केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत के निर्यातक तेजी से आगे बढ़ने और 6.3 प्रतिशत को पार करने में सफल रहे।" वित्त मंत्री ने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक व्यापार और विकास प्रभावित हुआ है; विश्व व्यापार संगठन, आईएमएफ और विश्व बैंक के वार्षिक अनुमानों के

अनुसार वैश्विक विकास में कोई उछाल नहीं आया है। ऐसा नहीं लगता कि दुनिया निर्यात के साथ चलने के मूड में है। इसके बाद भी, भारतीय निर्यातकों ने मजबूती दिखाते हुए वैश्विक निर्यात में आई गिरावट के बावजूद वृद्धि दर्ज की है।" वित्त मंत्री सीतारमण ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यूरोप में स्लोडाउन जैसी स्थितियों के बावजूद, हमारे निर्यातकों ने रचनात्मक रूप से अपना रास्ता बदला है और नए बाजार खोजे हैं। उन्होंने कहा, "भारत केवल थोक वस्तुओं का ही निर्यात नहीं कर रहा है, बल्कि अच्छी तरह से तैयार किए गए, उच्च मानक वाले उत्पादों का भी निर्यात कर रहा है।"

मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए चल रही बातचीत के बारे में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, ये समझौते भविष्य में देश के निर्यात की गतिशीलता को बदल देंगे।

चेक बाउंस मामला: दिल्ली हाईकोर्ट से राजपाल यादव को राहत, मेलबर्न जाने की मिली इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में मेलबर्न यात्रा की सशर्त अनुमति दी है। अभिनेता 27 जून से 5 जुलाई 2025 तक अपनी आगामी फिल्म 'मेरा काले रंग दा यार' के प्रचार कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अनुमति कुछ शर्तों के अधीन होगी, जिनमें एक लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद (एफडीआर) कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करनी होगी। साथ ही अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी उपलब्ध कराना होगा, जो विदेश यात्रा के दौरान हर समय चालू रहना चाहिए।

इसके अलावा, हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि ट्रायल कोर्ट में जमा उनका पासपोर्ट उन्हें विदेश यात्रा के लिए सौंपा जाए, लेकिन भारत लौटने के बाद इसे पुनः अदालत में जमा करना अनिवार्य होगा।

यह मामला नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 138 के तहत दर्ज है, जिसमें राजपाल यादव को पिछले साल सजा सुनाई गई थी। उन्होंने और उनकी पत्नी ने इस सजा के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जून 2024 में कोर्ट ने यह मानते हुए उनकी सजा पर रोक लगा दी थी कि वे कोई गंभीर अपराधी नहीं हैं और उनके मामले में सुधार और समाधान की गुंजाइश है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को आपसी समझौते की संभावनाएं तलाशने का सुझाव दिया था, जो वर्तमान में दिल्ली हाईकोर्ट के मेडिएशन सेंटर में विचाराधीन है।

बता दें कि 2010 में राजपाल यादव ने बतौर डायरेक्टर अपनी फिल्म 'अता-पता लापता' के लिए 5 करोड़ रुपए का लोन लिया था, लेकिन वह इस रकम को लौटा नहीं पाए। जिसके बाद उनके और अन्य के खिलाफ चेक बाउंस से जुड़ी सात अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई गईं। मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने राजपाल को कई नोटिस भेजे, लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुए।

साल 2013 में उन्हें 10 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने 3 से 6 दिसंबर 2013 तक जेल में चार दिन काटे थे, जिसके बाद दिल्ली हाई कोर्ट की खंडपीठ ने उनकी अपील पर सजा निलंबित कर दी थी।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के नजदीक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, दमकल की 15 से ज्यादा गाड़ियां पहुंची

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। रोहिणी सेक्रेटर पांच रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास एक फैक्ट्री में मंगलवार शाम सात बजकर पच्चीस मिनट पर भीषण आग लग गई। जिसके बाद आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15 से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। जिस फैक्ट्री में आग लगी है,उसे केमिकल की फैक्ट्री बताया जा रहा है वह चार मंजिला इमारत में चल रही थी। हालांकि साइड व पीछे की तरफ खुली जगह होने की वजह से भीषण आग अन्य भवनों को अपनी चपेट में नहीं ले पाई। साथ ही आग को तेजी से बुझाने के लिए दमकल कर्मियों ने जेसीबी की मदद से फैक्ट्री की इमारत की दीवारों को साइड से तुड़वाते हुए उसमें छेद करवा दिया, ताकि आग बुझाने के लिए पानी व फोम को तेजी से अंदर की तरफ भेजा जा सके। हालांकि तमाम कोशिशों के बाद भी देर रात 11 बजे तक आग पर काबू नहीं पाया गया, हालाँकि आग को बुझाने की कोशिशें लगातार जारी थीं। इसके साथ ही फैक्ट्री में किसी के फंसे होने से जुड़ी जानकारी नहीं मिली है।

जम्मू-कश्मीर पर फारूक अब्दुल्ला का बयान गैर जिम्मेदाराना : बृजलाल

नई दिल्ली। भाजपा सांसद बृजलाल ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिलने का कारण वहां की मुस्लिम आबादी को बताया था। इस बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद बृजलाल ने कहा कि उनका यह बयान न केवल तथ्यों से परे है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी नुकसान पहुंचाने वाला है।

बृजलाल ने कहा, "विपक्ष लगातार अनर्गल सवाल उठाता रहता है। फारूक अब्दुल्ला का यह कहना कि जम्मू-कश्मीर को इसलिए पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल रहा क्योंकि वहां मुस्लिम आबादी है, बेहद दुखद है।

क्या जम्मू-कश्मीर में सिर्फ मुस्लिम ही रहते हैं? वहां हिंदू, सिख और अन्य समुदाय के लोग नहीं हैं? यह बयान

सामुदायिक आधार पर समाज को बांटने की कोशिश है।"

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कभी यह नहीं कहा कि जम्मू-कश्मीर को हमेशा केंद्र शासित प्रदेश के रूप में ही रखा जाएगा। जब समय आएगा, भारत सरकार पूर्ण राज्य के दर्जे पर विचार करेगी। अभी फारूक अब्दुल्ला को यह जवाब देना चाहिए कि कश्मीरी पंडितों के साथ जो अत्याचार हुआ, उनके कत्लेआम और पलायन पर उनकी चुप्पी क्यों थी? उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर के विकास और वहां के लोगों के कल्याण के लिए लिया गया था। जब अनुच्छेद 370 को 2019 में हटाया गया, तब यह एक साहसिक और दूरगामी कदम था। पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अपने चरम पर था, पाकिस्तानी झंडे लहराए जाते थे और कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार हुए। करीब पांच लाख कश्मीरी पंडितों को अपनी जमीन छोड़कर पलायन करना पड़ा। उस समय फारूक अब्दुल्ला मुख्यमंत्री थे। तब मस्जिदों से ऐलान हो रहा था कि कश्मीरी पंडित अपनी बेटियों और बहनों को छोड़कर भाग जाएं या फिर मरने के लिए तैयार रहें। उस वक्त फारूक अब्दुल्ला ने क्या किया? उनके परिवार ने क्या कदम उठाए?"

भाजपा सांसद ने फारूक अब्दुल्ला के परिवार और उनके पिता शेख अब्दुल्ला की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

भारत की आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर : रिपोर्ट

नई दिल्ली । एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा के अनुसार, जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कंपनियों ने कुल नए व्यवसाय के तेजी से बढ़ने और निर्यात ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि के जवाब में उत्पादन बढ़ाया

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर परिवर्तन को मापता है। इंडेक्स जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मई में 59.3 से बढ़कर, लेटेस्ट रीडिंग विस्तार की तेज दर के अनुरूप थी, जो लंबी अवधि की सीरीज के औसत से काफी ऊपर थी। निमार्ताओं ने व्यावसायिक गतिविधि में उछाल का नेतृत्व किया।

ऑपरेशन सिंधु : ईरान-इजरायल से 3,180 भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी

ऑपरेशन सिंधु : ईरान-इजरायल से 3,180 भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसीनई दिल्ली। ईरान और इजरायल संघर्ष के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत ईरान और इजरायल में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी कराई जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को एक और विशेष उड़ान ने ईरान के मशहद से उड़ान भरते हुए नई दिल्ली हवाई अड्डे पर दोपहर 3:00 बजे लैंड किया।

इस फ्लाइट में 281 भारतीय, 3 श्रीलंकाई और 2 नेपाली नागरिक सवार थे। वतन वापसी पर भारतीय नागरिकों ने सरकार का आभार जताया। इसके साथ ही अब तक ईरान से 2,500 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया जा चुका है। यह जानकारी भारत सरकार के विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरीटा ने दी।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से यह ग्यारहवीं विशेष उड़ान थी, जो मंगलवार दोपहर दिल्ली पहुंची। इसके साथ ईरान से लाए गए भारतीय नागरिकों की संख्या 2,500 के पार हो गई है। वहीं, मंगलवार सुबह इजरायल से भी पहली उड़ान दिल्ली पहुंची। अब तक इजरायल से तीन और ईरान से 11 उड़ानें आ चुकी हैं। इन 14 फ्लाइटों के जरिए अब तक कुल 3,180 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा पड़ोसी और मित्र देशों के 6 नागरिकों, जिनमें 2 नेपाल और 4 श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं, को भी रेस्क्यू कर भारत लाया गया है। भारत न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि पड़ोसी और मित्र देशों के नागरिकों की भी मदद कर रहा है।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "अपडेटः ऑपरेशन सिंधु। राज्यमंत्री पाबित्रा मार्गेरीटा ने ईरान से निकाले गए 281 भारतीय, 3 श्रीलंकाई और 2 नेपाली नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। वे 24 जून को दोपहर 15 बजे मशहद से विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंचे। ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 2,576 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया जा चुका है।"

सृजन घोटाले के तीन आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, लंबे समय से थे जेल में बंद

नई दिल्ली । बिहार के बहुचर्चित और करीब 1 हजार करोड़ रुपए के सृजन घोटाले में शामिल तीन आरोपियों को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च अदालत ने रजनी प्रिया और दो अन्य आरोपियों को जमानत दे दी है।

अदालत ने यह निर्णय इस आधार पर लिया कि आरोपी लंबे समय से जेल में बंद हैं और अब तक ट्रायल की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि तीनों आरोपी सात दिनों के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत हों और जमानत की शर्तें वहीं निर्धारित की जाएंगी। अदालत ने अपने फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि ट्रायल में हो रही देरी के चलते न्यायालय को यह अंतरिम राहत देनी पड़ी है।

सृजन महिला सहयोग समिति नामक एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) पर आरोप है कि 2004 से 2014 के बीच सरकारी विभागों के खातों से धोखाधड़ी कर बड़ी मात्रा में सरकारी धन को अपने खातों में स्थानांतरित किया गया। यह घोटाला बिहार के भागलपुर जिले के सबौर ब्लॉक स्थित इस एनजीओ से जुड़ा है, जो महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने का कार्य करता था।

जानकारी के अनुसार, यह घोटाला जिला प्रशासन के अधिकारियों, बैंक कर्मियों और एनजीओ के सदस्यों की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। आरोपी व्यक्तियों ने सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर आवंटित धन को हेराफेरी कर निजी खातों में जमा करवाया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से इन आरोपियों को जमानत मिलने का रास्ता साफ हो गया है, बशर्ते वे ट्रायल कोर्ट की सभी शर्तों का पालन करें।

बता दें कि 10 अगस्त 2013 को सीबीआई ने रजनी प्रिया को गिरफ्तार किया थ। प्रिया 1,000 करोड़ रुपए के सृजन घोटाले के सिलसिले में फरार थीं। उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से उन्हें गिरफ्तार किया गया था। पटना की एक अदालत ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

बिहार सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने सृजन घोटाला की जांच अपने हाथ में ली थी। आरोप है कि एनजीओ के अधिकारियों ने जाली दस्तावेजों का उपयोग करके उक्त एनजीओ के खातों में सरकारी धन की हेराफेरी करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ साजिश रची थी।

ईरान-इजरायल संघर्ष में भारत को निभानी चाहिए प्रभावशाली भूमिका : मोहम्मद सलीम

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल में जारी सैन्य संघर्ष के बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर जमात-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष इंजीनियर मोहम्मद सलीम ने अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत को इस संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मसले पर एक मजबूत और संतुलित भूमिका निभानी चाहिए थी। लेकिन, भारत सरकार ने इस मामले में देरी से प्रतिक्रिया दी, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

मोहम्मद सलीम ने कहा कि ईरान और इजरायल के बीच हुए युद्ध में भारत को ईरान का साथ देना चाहिए था, क्योंकि इजरायल की ओर से यह हमला बिना किसी उकसावे के किया गया था, जिससे मासूम लोगों की जानें गईं और दोनों देशों में भारी तबाही हुई। इजरायल ने इस संघर्ष को एकतरफा रूप से शुरू किया और

पूरे पश्चिमी एशिया को खतरे में डाल दिया। इसके बाद अमेरिका का हस्तक्षेप इस संकट को और गहरा बना गया। इस पूरे हालात के लिए हम इजरायल को जिम्मेदार मानते हैं।

इंजीनियर मोहम्मद सलीम ने हाल ही में घोषित सीजफायर पर खुशी जताते हुए कहा कि यह हमारे लिए राहत की बात है कि युद्धविराम की घोषणा हुई है, लेकिन यह सीजफायर वास्तविक और स्थायी होना चाहिए। इसके साथ ही गाजा में जो निर्दोष लोगों की मौत हो रही है, उसे तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह इस क्षेत्र में हो रही मानवता की त्रासदी को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए।

उन्होंने कहा कि "गाजा में हालात बेहद खराब हैं और वहां की जनता पर हो रहे अत्याचारों को रोकना अब अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी है।"

उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा और प्रभावशाली देश है, जिसकी वैश्विक स्तर पर अहमियत है। हमें उम्मीद थी कि भारत इस संकट को समाप्त कराने में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। इजरायल के साथ भारत के मजबूत संबंध हैं, ऐसे में भारत इजरायल पर दबाव बना सकता था कि वह इस तरह की आक्रामकता से बाज आए। अगर भारत समय पर हस्तक्षेप करता, तो शायद इस युद्ध को टाला जा सकता था। हमारी अपेक्षा थी कि भारत शांति का पक्षधर बनकर सामने आए, लेकिन दुर्भाग्यवश, वह भूमिका निभाने में देरी हुई।

भारत वाई-फाई कवरेज को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि भारत एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहा है, जहां देश के कोने-कोने में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

विश्व वाई-फाई दिवस 2025 के अवसर पर ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) द्वारा आयोजित एक विशेष सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने घोषणा की कि सरकार देश भर में वाई-फाई कवरेज को व्यापक और गहन सुनिश्चित करने के लिए साहसिक कदम उठा रही है, जिससे सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार के प्रमुख नीतिगत सुधार पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री ने पुष्टि की कि देश 6 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को लाइसेंस मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जो एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे तेज और अधिक विश्वसनीय इंटरनेट संभव होगा।

उन्होंने कहा, "संबंधित नियम इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर या उससे पहले अधिसूचित किए जाएंगे।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की भूमिका नियामक से सुविधा प्रदाता की ओर विकसित हो

रही है और किसी भी कंपनी या तकनीक का पक्ष लिए बिना, तकनीक को सभी के लिए उपलब्ध करवाया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "यह कनेक्ट होने, सृजन करने और आगे बढ़ने की स्वतंत्रता का जश्न मनाने का दिन है। जैसे-जैसे इसे अपनाया जा रहा है, लागत कम होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी पहुंच बढ़ रही है।"

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हम पहले से ही 13 गांवों में 5जी उपयोग के मामले चला रहे हैं, प्रत्येक में 10 आवश्यक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अब, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर भारतीय के पास हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा हो, चाहे वे घर पर हों, काम पर हों या दूरदराज के इलाकों में हों।"

इस कार्यक्रम में प्रमुख नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

बीआईएफ की अध्यक्ष अरुणा सुंदरराजन ने अपने उद्घाटन भाषण में जोर देकर कहा कि वाई-फाई भारत की 40 प्रतिशत आबादी को जोड़ने के सरकार के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा, जो अभी भी ऑफलाइन है।

उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत से अधिक इंटरनेट का इस्तेमाल घर के अंदर ही होता है; ऐसे वातावरण में वाई-फाई नेटवर्क—विशेष रूप से 6 गीगाहर्ट्ज बैंड के साथ मोबाइल नेटवर्क की तुलना में बेहतर अनुकूल हैं।

ज्योति नगर में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ,जिसे मानती थी भाई उसी ने पांचवी मंजिल से फेंका

लोक प्रेरणानई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के के ज्योति नगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां तौफीक ने बुर्का पहनकर नेहा को पांचवीं मंजिल से फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। नेहा के पिता ने आरोप लगाते हुए बताया कि तौफीक ने धोखे से वारदात की घटना को अंजाम दिया,और घटना के बाद ही फोरन फरार हो गया। घायल नेहा को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हैरानी की बात ये है कि तौफीक ने नेहा को धोखे से मारा।

नेहा के पिता का आरोप है कि तौफीक बुर्का पहन कर उनकी बिल्डिंग में घुसा था। उसने पहले नेहा के पिता को धक्का दिया और नेहा के पास चला गया। नेहा की तौफीक से पहले किसी बात को लेकर बहस हो गई थी। उसने नेहा को फोन कर बहाने से बिल्डिंग की छत पर बुलाया और नीचे फेंक दिया। नेहा के पिता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि नेहा हर साल आरोपी तौफीक को राखी बांधती थी। परिवार तौफीक को करीब तीन साल से जानता है।

लेकिन नेहा अब तौफीक से बात नहीं करना चाहती थी। परिवार का आरोप है कि तौफीक नेहा को परेशान करता था। उसे धमकाता भी था। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार है।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी तौफीक फरार हो गया, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। तौफीक मुरादाबाद का रहने वाला है। लेकिन वह मंडोली रोड पर काम करता है, जिसके चलते वह दिल्ली में रहता है। बताया जा रहा है कि जब से नेहा ने तौफीक से बात करना बंद किया था, तब से वह नेहा से नाराज था। तौफीक नेहा की बिल्डिंग के सामने वाले मकान में रहता है। परिवार का आरोप है कि वह उसे धमकाता भी था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी तौफीक मुरादाबाद का रहने वाला है। आरोपी फरार है। पुलिस जांच के बाद इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझेगी।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने की अमेरिका के ट्रैवल एजवाइजरी की निंदा

कहा- सरकार को जवाब देना चाहिए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने अमेरिका की तरफ से अपने नागरिकों के लिए भारत भ्रमण के संबंध में ट्रैवल एडवाइजरी जारी करने की निंदा की। उन्होंने बातचीत में कहा कि अमेरिका भारत का एक अच्छा मित्र है। उसके साथ हमारे अच्छे रिश्ते हैं। इसके बावजूद वो इस तरह की एडवाइजरी जारी कर रहा है। वो अपनी एडवाइजरी में कह रहा है कि अमेरिकी महिलाओं को भारत अकेले नहीं जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अब समय आ चुका है कि जब अमेरिका को वैश्विक मंच पर भारत को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर लेनी चाहिए, क्योंकि एक तरफ जहां वो पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर को अपने यहां पर दावत के लिए बुलाता है, उसे महान व्यक्ति बताता है। वहीं दूसरी तरफ से भारत के लिए ऐसी एडवाइजरी जारी करता है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

अमेरिका ने 16 जून को भारत यात्रा के लिए अपने नागरिकों के लिए लेवल-2 ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। यह एडवाइजरी अपराध, आतंकवाद और कुछ क्षेत्रों में बढ़े जोखिमों के कारण जारी की गई है।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि अमेरिका की तरफ से जारी की इस ट्रैवल एडवाइजरी से वैश्विक मंच

पर भारत की साख कम हुई है। मोदी सरकार को इस मामले में अमेरिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, उनके रवैये से यह साफ जाहिर हो रहा है कि वो इस मामले में कोई भी कार्रवाई करते हुए नजर नहीं आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को सामने आकर अमेरिका के इस कदम की आलोचना करनी चाहिए, क्योंकि अमेरिका की तरफ से जारी यह एडवाइजरी भारत के पर्यटन को नुकसान पहुंचाएगा। इससे वैश्विक मंच पर हमारी छवि धूमिल होगी। भारत सरकार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, पीएम मोदी ने चुप्पी साध रखी है। ना ही वो घरेलू मोर्चे पर महिलाओं को सुरक्षित कर पा रहे हैं और ना ही वैश्विक मंच पर अमेरिका के खिलाफ कोई कार्रवाई कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप 17 बार सीजफायर का श्रेय ले चुके हैं। लेकिन, पीएम मोदी एक शब्द भी बोलने की जहमत नहीं उठाते हैं।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में संलिप्त आतंकियों के खिलाफ मोदी सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, इस दिशा में वो कोई भी कदम उठाते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। हाल ही में एक जानकारी सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि बीते दिनों पहलगाम आतंकी हमले में संलिप्त जिन आतंकियों की स्कैच जारी की गई थी, वो असल में उन आतंकियों की नहीं, बल्कि किसी और की थी।

ऐसा करके लोगों को मूर्ख बनाने की कोशिश की गई। अभी तक पांच सालों में एक भी आतंकी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। आखिर क्यों?

संपादक की कलम से

हिंदी के फडणवीस मास्टर!

महाराष्ट्र में स्कूली शिक्षा का भट्ठा बैठ गया है। फडणवीस सरकार द्वारा पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के पैष्ठसले से स्थानीय जनता आहत है, लेकिन सिर्फ आहत होने या हाथ मलने से क्या होगा? कुछ मराठी अभिनेताओं, लेखकों और कवियों ने विरोध के स्वर उठाए हैं, लेकिन वे भी सीमित हैं। जिस तरह से दक्षिण के अभिनेता प्रकाश राज ने वहां की सरकार और केंद्र को चेतावनी दी थी, अगर आप हम पर हिंदी थोपेंगे, तो याद रखें। हम एक भाषा के रूप में हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हमारी मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और स्वाभिमान है। अगर आप इस पर हमला करते हैं तो याद रखें। हमारी मराठी भाषा के लिए इस तरह की मशाल लेकर कितने लोग आगे आए हैं? फडणवीस और अन्य लोगों के दबाव में, तथाकथित मराठीभाषी लेखक और कलाकार मंडलियों का दम घुट गया है या सरकार के लाभार्थी बनने के चलते लाडली बहनों की तरह ये सभी लोग लाडले कलाकार, लाडले लेखक बन गए हैं। अब कवि हेमंत दिवटे ने इस हिंदी अनिवार्यता के विरोध में महाराष्ट्र सरकार का पुरस्कार लौटाने का पैष्ठसला किया है। बेशक, भाजपा काल में पद्म पुरस्कार आदि के लाभार्थी बने मराठी दिग्गज, जो ये भूषण या वो भूषण पुरस्कार से पुरस्कृत हुए हैं, वे इस हमले के खिलाफ मुंह सिलकर बैठे हैं। यानी नाना पाटेकर से लेकर माधुरी दीक्षित तक और सचिन तेंदुलकर से लेकर सुनील गावस्कर तक, सभी मराठी लोगों को इस अनिवार्यता को गंभीरता से देखने की जरूरत है, लेकिन ये सभी ठहरे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर ख्याति प्राप्त लोग। भले ही ये लोग मराठी की गोद में पैदा हुए, लेकिन अब दुनिया के बन गए इसलिए भले ही मातृभाषा पर गाज गिरे इनकी बला से। कम से कम मराठी फिल्म और नाटक कलाकारों को इस अनिवार्यता के खिलाफ आगे आना चाहिए, लेकिन वे भी नहीं हैं। मूलरूप से केंद्र जो कुछ त्रिभाषा फॉमूर्ला लाया है, वह एक पेच है और राज्यों की

भाषाओं के गले का बोझ

बन चुका है। केंद्र में बैठे शासकों ने अपने ही राज्य गुजरात में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने खुद गुजरात की स्कूली शिक्षा से हिंदी को हटाया, लेकिन उन्होंने मुंबई-महाराष्ट्र की मराठी भाषा और संस्कृति को मिटाने के लिए स्कूली शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य कर दिया। मूलतः, मुंबई या महाराष्ट्र जैसे राज्यों में स्कूली शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जिस देश का प्रधानमंत्री बिहार की सार्वजनिक सभा में अंग्रेजी भाषण देता है और कनाडा, साइप्रस, क्रोएशिया जैसे देशों में जाकर वहां के राष्ट्राध्यक्षों से हिंदी में तारे तोड़ता है, यहां तक ??कि राष्ट्रपति ट्रंप से भी हिंदी में बात करता है, उस देश में हिंदी को अनिवार्य करने की कोई आवश्यकता नहीं है। चूंकि हिंदी भाषी राज्यों का राजनीति में वर्चस्व है तो वे इस वर्चस्व को दूसरों पर क्यों थोपें? हिंदी साहित्य, कला और संस्कृति का विकास लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, भोपाल की बजाय मुंबई में हुआ। हिंदी सिनेमा, हिंदी संगीत, हिंदी कलाकारों का मायका है मुंबई। इसलिए यहां हिंदी का प्रचलन है, पर यदि हिंदी का यह प्रचलन मराठी भाषा की जड़ों पर प्रहार करता हो तो इससे स्थानीय जनता का आंदोलित होना स्वाभाविक है। हिंदी देश की संपर्क भाषा है, लेकिन हिंदी को राज भाषा या राष्ट्र भाषा के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। भारतीय संविधान में ऐसा कोई संदर्भ नहीं है। डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भाषा के आधार पर लोगों को विभाजित करना सही नहीं है। हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने से अन्य भाषाई समुदायों में असंतोष पैदा होगा और इससे देश की एकता को खतरा होगा। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कहना चाहते थे कि किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जा सकती। मुंबई में हिंदी सिनेमा का दबदबा है, लेकिन मराठी सिनेमा को थिएटर नहीं मिलते इसलिए हमने हिंदी फिल्मों को उतरवाया नहीं है। मराठी को भी मान-सम्मान मिलना चाहिए

इसके लिए लड़ते

रहे। यदि महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्य है तो बेलगाव सहित पूरी सीमा इलाके में मराठी अनिवार्य क्यों नहीं होनी चाहिए? सच तो ये है कि गुजरात के आधे हिस्से पर कभी मराठा साम्राज्य का शासन था। गायकवाड राज करते थे और उनकी भाषा मराठी थी इसलिए उस समय गुजरात की राज भाषा मराठी थी। मध्य प्रदेश पर शिंदे और होलकर का शासन था और उन्होंने इसे तलवार के बल पर हासिल किया था। लेकिन, उन्होंने हिंदी भाषा पर तलवार के बल पर जबरदस्ती नहीं की। तंजावुर पर भोसलों का शासन था, वे अपनी मराठी लेकर वहां गए और उस दक्षिणी संस्कृति में घुलमिल गए। मराठी राजा ने वहां मराठी को नहीं थोपा, लेकिन अब मराठी पर हमले और आक्रमण हो रहे हैं और इसलिए फडणवीस की साजिशें और राजनीति चल रही है।

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

– ललित गर्ग –

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमजोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति! यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया नशीले पदार्थों की राजनीति के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के

अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है।

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरूआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र-गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ड्रग्स-फ्री इंडिया अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से

उपचुनावों में भाजपा को मात

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को आए, जिसमें केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है देशबन्धु 24 ख४ल्ली 2025 8:07 अट चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को आए, जिसमें केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। गुजरात की कड़ी और विसावदर विधानसभा सीट, पंजाब की लुधियाना सीट, केरल की नीलांबुर सीट और प.बंगाल की कालीगंज सीट पर 19 जून को मतदान हुआ था। पंजाब में आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा और प.बंगाल में टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद को जीत मिली, यानी इन दो राज्यों में सत्तारुढ़ दलों के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। लेकिन गुजरात में भाजपा के लिए मामला फंस गया, क्योंकि यहां की कडी सीट पर तो भाजपा के राजेंद्र कुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावड़ा ने जीत दर्ज की है, लेकिन विसावदर सीट पर अब आप की जीत हुई है। आप प्रत्याशी गोपाल इटालिया ने भाजपा के कीर्ति पटेल को हराया है। अरङ्क फीं - ललित सुरजन की कलम से- विदेशों में कालाधन? वहीं केरल में भी नीलांबुर सीट पहले एलडीएफ के पास थी, लेकिन अब उस पर कांग्रेस के आर्यदान शौकत को जीत मिली है। कुल पांच सीटों में भाजपा के पास केवल एक सीट आई है और एक सीट उसने गंवाई है। बेशक इन पांच सीटों से देश की मौजूदा सियासी तस्वीर पर तत्काल कोई असर पड़ते हुए नहीं दिख रहा है, लेकिन इसका दूरगामी परिणाम क्या हो सकता है, यह समझना कठिन नहीं है। गुजरात की कुल 182 विधानसभा सीटों में भाजपा के पास 161 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 12 और आप के पास चार हैं। एक सीट समाजवादी पार्टी और दो निर्दलीय के पास है। लेकिन अब भाजपा की एक सीट घट गई है और आप की सीट अब पांच हो गई है। अगर इंडिया गठबंधन के लिहाज से देखें तो कुल 18 सीटें हो सकती हैं। हालांकि दिल्ली चुनाव में जिस तरह आप और कांग्रेस के बीच तल्खी बढ़ी जो अब पंजाब में भी देखी जा रही है, उसे देखकर कहना कठिन है कि इंडिया गठबंधन में अब आप और कांग्रेस

की एकता कैसे कायम होगी। लेकिन अगर लोकसभा चुनावों में मिली जुली कोशिशें ये दल याद करेंगे तो उन्हें समझ आएगा कि भाजपा को हराने के लिए विपक्षियों में एकता कितनी जरूरी है। अरङ्क फीं - मोदी और ट्रंप की दोस्ती का सुनियोजित मिथक क्लस्टर बम की तरह फटा वैसे गुजरात में भाजपा को बड़ा झटका इसलिए माना जा रहा है कि उसने जीती हुई सीट गंवा दी है। कडी सीट तो भाजपा विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन के कारण खाली हुई थी औ? वो अब भाजपा के पास ही है। लेकिन विसावदर में आप ने भाजपा के खेल का जवाब दे दिया है। यहां पहले आम आदमी पार्टी से ही भूपेंद्रभाई गंडूभाई भायानी विधायक बने थे, लेकिन दिसंबर 2023 में अपने पद से इस्तीफा देकर वो भाजपा में शामिल हुए थे। तब से ये सीट खाली है। इससे पहले साल 2022 में भाजपा के हारे प्रत्याशी हर्षद रीबडिया ने गुजरात हाईकोर्ट में भायानी की जीत को चुनौती दी थी। लेकिन अभी मार्च में हर्ष रीबाडिया ने अपनी याचिका वापस ले ली थी, तो उपचुनाव का रास्ता साफ हुआ और जनता ने एक बार फिर आप को ही मौका दिया। इस जीत से आप का ग्राफ थोड़ा और बढ़ गया है। अरङ्क फीं - इमरजेंसी के पचास साल : मीडिया या तानाशाही की आंखों पर बंधी पट्टी उधर पंजाब में तो आप की जीत का दोहरा असर होता दिख रहा है। आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल फरवरी 2025 में हुए दिल्ली चुनाव में अपनी सीट भी हारे थे और सत्ता भी गंवाई थी। तब से आप कार्यकताओं का मनोबल काफी टूटा हुआ दिख रहा था। इस बीच कई नेता भाजपा खेमे में शामिल हो गए थे। लेकिन पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव से आप के हौसले अब सातवें आसमान पर हैं। पार्टी मुखिया ने इस संभावना से तो इंकार किया है कि वे संजीव अरोड़ा की खाली सीट पर राज्यसभा जाएंगे, लेकिन ये दावा उन्होंने किया है कि अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में आप की आंधी नहीं बल्कि तूफान आएगा, क्योंकि हमारे प्रत्याशी को पिछली बार की अपेक्षा दोगुने वोट देकर जनता ने हमारे काम पर मुहर लगाई है। अरङ्क फीं - ललित सुरजन की कलम से- कविता : अमेरिका को फिर अमेरिका बनने दो पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में आप के पास 91 सीटें हैं। जो अब 92 हो जाएंगी। कांग्रेस के पास 18, शिरोमणि अकाली दल के पास 3 सीट, बसपा 1 और बीजेपी की 2 सीटे हैं। एक विधायक निर्दलीय है। यानी केजरीवाल की आसान जीत तय है। मुख्यमंत्री न रहने और सत्ता जाने के बाद केजरीवाल के पास जो सरकारी सुविधाएं नहीं थीं, वो अब उन्हें मिल जाएंगी और उनके खिलाफ चल रहे केस में पुलिस को कार्रवाई के लिए अनुमति लेने की जरूरत पड़ेगी। बात करें केरल की तो कांग्रेस का बढ़ता दबदबा और प्रियंका गांधी का असर दोनों नजर आ रहा है। केरल में 140 विधानसभा सीटों में सत्तारुढ़ एलडीएफ के पास 98 सीटें हैं। और कांग्रेस के यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के पास 41 सीटें हैं। नीलांबुर सीट से 2021 में एलडीएफ के समर्थन से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर पी.वी. अनवर विधायक चुने गए थे। लेकिन सितंबर 2024 में एलडीएफ से मतभेद के चलते 13 जनवरी 2025 को अनवर ने इस्तीफा दिया था और टीएमसी में शामिल हो गए थे।

सीने में दर्द हार्ट अटैक, गैस की समस्या या कुछ और? कैसे पता करें, डॉक्टर ने बताया

आजकल सीने में दर्द का नाम सुनते ही अधिकतर लोग इसे सीधे हार्ट अटैक से जोड़ देते हैं. लेकिन सीने में दर्द हर बार हार्ट अटैक नहीं होता. कई बार गैस, मांसपेशियों की चोट, फेफड़ों या पाचन तंत्र की समस्या भी सीने में दर्द की वजह हो सकते हैं. ऐसे में सही समय पर संकेतों की पहचान करना बेहद जरूरी होता है. ताकि मरीज को गंभीर स्थिति में पहुंचने से बचाया जा सके. सीने में दर्द हार्ट अटैक का लक्षण है, गैस की समस्या है या फिर कुछ और है इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए हमने राजीव गांधी अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजीत जैन से बातचीत की है.

पहले हार्ट अटैक के लक्षणों की बात करते हैं. डॉ जैन बताते हैं कि हार्ट अटैक के दौरान सीने में तेज और दबाव जैसा दर्द होता है, जो बाएं कंधे, गर्दन, जबड़े या दोनों हाथों में फैल सकता है. इसके साथ पसीना आना, घबराहट, सांस फूलना, जी मिचलाना, शरीर का हल्का महसूस होना या बेहोशी जैसे लक्षण भी हो सकते हैं. यह दर्द अचानक, बहुत तेज और लगातार बढ़ने वाला होता है. ऐसे हालात में तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि समय पर इलाज मिल जाए, तो मरीज की जान बचाई जा सकती है.

गैस या पाचन तंत्र की समस्या के लक्षण क्या होते हैं

डॉ. जैन बताते हैं कि गैस बनने पर पेट फूलना, डकार आना, पेट में ऐंठन या दर्द के साथ सीने में दर्द हो सकता है. यह दर्द सामान्य तौर पर खाना खाने के बाद, ज्यादा तला-भुना भोजन करने के बाद या मसालेदार खाना खाने पर होता है. आमतौर पर गैस का दर्द शरीर की स्थिति बदलने, डकार आने या गैस पास होने जाने के बाद कम भी हो सकता है. ऐसे में आप डॉक्टर की सलाह पर एसिडिटी की दवा खा लें. अगर उससे आराम मिल गया तो मतलब दर्द गैस का था. अगर आराम नहीं मिला है छाती में दर्द हो रहा है तो तुरंत नजदीक के अस्पताल जाकर डॉक्टर को दिखाएं.

मांसपेशियों या हड्डियों की चोट से भी हो सकता है सीने में दर्द

सीने की मांसपेशियों में खिंचाव, पसलियों में चोट या सूजन की वजह से भी सीने में दर्द हो सकता है. आमतौर पर ये दर्द शरीर के किसी खास हिस्से को दबाने, खांसने या गहरी सांस लेने पर बढ़ता है. अगर छूने या हिलने-डुलने पर दर्द बढ़ता है, तो ये मांसपेशियों या हड्डियों से जुड़ा दर्द हो सकता है.

मानसिक तनाव या पैनिक अटैक

बदलते लाइफस्टाइल की वजह से तनाव, चिंता, घबराहट या पैनिक अटैक के कारण भी सीने में दर्द हो सकता है. ऐसी परिस्थिति में अचानक सीने में कसाव, सांस फूलना, दिल की धड़कन तेज होना, घबराहट या पसीना आना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं. ये दर्द आमतौर पर कुछ देर में अपनेआप ही ठीक भी हो सकता है, लेकिन अगर ऐसा बार-बार हो, तो डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होता है.

इमरजेंसी के पचास साल : मीडिया या तानाशाही की आंखों पर बंधी पट्टी

इंदिरा गांधी के जिस इमरजेंसी निजाम के अब पचास साल हो रहे हैं, उसकी एक प्रमुख निशानी बेशक उन कुख्यात इक्कीस महीनों में प्रेस का दमन और उसकी स्वतंत्रता का छीना जाना थी। खासतौर पर इमरजेंसी के शुरूआती दौर की याद करते ही हमें अखबारों और पत्रिकाओं के जगह-जगह से काले रंग से पुते हुए पन्ने याद आते हैं, जिनमें प्रकाश्य सामग्री के अनेक हिस्सों पर सेंसर तंत्र की कैंची चली थी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः पहली बार और अब तक अंतिम बार भी, बाकायदा एक सेंसरशिप तंत्र खड़ा किया गया था, जिसका काम हर छपने वाले शब्द को छपने से पहले जांचना था, ताकि तमाम प्रकाशित सामग्री का शासन की इच्छा के अनुकूल होना सुनिश्चित किया जा सके। याद रहे कि यह वह जमाना था जब जन माध्यम या मास मीडिया का दायरा, पत्र-पत्रिकाओं तक ही सीमित था। रेडियो जरूर तब तक एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका था, लेकिन वह पूरी तरह से शासन के नियंत्रण में था और एकदम शुरूआती दौर का टीवी भी। सिनेमा जरूर एक और स्वतंत्र माध्यम था और सभी जानते हैं कि इमरजेंसी के दौरान उसे भी नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की गयी थी। यह सब, खासतौर पर अपने तौर-तरीके में, देश के लिए तब तक पूरी तरह से अपरिचित ही था। बहरहाल, यहां तक हमने जो तस्वीर दिखाई, वह प्रेस के साथ इमरजेंसी की तानाशाहीपूर्ण सत्ता के सलूक की तस्वीर है। लेकिन, यह सोचना सही नहीं होगा कि इमरजेंसी के दौर में प्रेस जो कर रही थी, उसकी यह प्रतिनिधि तस्वीर थी। बेशक, इमरजेंसी में प्रेस की स्वतंत्रता पर भीषण हमला हुआ था। इमरजेंसी के दौरान बेशक, पत्र-पत्रिकाओं में क्या छप सकता है, उसे बाकायदा सेंसर किया जा रहा था। लेकिन, बाहर से सेंसरशिप थोपे जाने की जरूरत अपने आप में इसका सबूत थी कि इमरजेंसी के दौरान प्रेस की कहानी, सत्ता के इस दमन की कहानी ही नहीं थी। वास्तव में इमरजेंसी के शुरूआती दौर की चाक्षुष स्मृति में काले रंग से रंगे हुए पन्नों की जो छवि सहज ही उभरती है, इस कहानी के सिक्के के दूसरे पहलू को सामने लाने वाली कहानी है, प्रतिरोध की कहानी। सेंसरशिप द्वारा काटे गए शब्दों/ वाक्यों/ पैराग्राफों की जगह खाली छोड़ा जाना या काले रंग से रंगकर प्रस्तुत किए जाना, प्रतिरोध की एक शानदार कहानी कहता था। इसके और प्रखर हिस्से के तौर पर अनेक अखबारों तथा पत्रिकाओं ने, शुरू के दिनों में पूरे-पूरे पन्ने खाली या काले कर के छोड़ दिए थे। बेशक, कोई यह नहीं कह रहा है कि इमरजेंसी निजाम पर समूचे प्रेस की एक जैसी प्रतिक्रिया रही थी। हर्गिज नहीं। इस प्रतिक्रिया में भी भारतीय प्रेस की शानदार विविधता दिखाई देती थी। और यह दावा तो और भी नहीं किया जा सकता है कि शुरूआत में इमरजेंसी निजाम पर जिस तरह की प्रतिक्रिया प्रेस में देखने को मिली थी, इमरजेंसी के पूरे दौर में वैसी ही प्रतिक्रिया बनी रही थी। जाहिर है कि शुरूआती दौर

में इमरजेंसी निजाम से और सबसे बढ़कर सेंसरशिप की उसकी व्यवस्थाओं से जिस तरह का शॉक लगा था, उसका प्रभाव समय के साथ घटा था और एक हद तक इमरजेंसी का भी सामान्यीकरण हो गया था या उसे नया नॉर्मल मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही थी। फिर भी, इतना तो निश्चयपूर्वक कहा ही जा सकता है कि आमतौर पर प्रेस का रुख इमरजेंसी के खिलाफ था। आमतौर पर इमरजेंसी और उसकी व्यवस्थाओं को एक असामान्य स्थिति की तरह ही लिया जा रहा था, जिससे उबरने का बेसब्री से इंतजार था। 1977 के आरंभ में हुए चुनाव में इमरजेंसी और उसे लगाने वाली इंदिरा गांधी की जबर्दस्त हार में, प्रेस के इस आम तौर पर विरोधी रुख ने कितनी मदद की होगी, यह तो कहना मुश्किल है। लेकिन, इतना तय है कि इंदिरा गांधी निजाम के इस हार को दूर-दूर तक भांप ही नहीं पाने के पीछे जरूर, जनता की आवाज शासन तक पहुंचाने के साधन के रूप में, प्रेस के अनुपस्थित ही होने की शायद सबसे बड़ी भूमिका रही थी। इंदिरा गांधी की इमरजेंसी उसी सिंड्रोम की शिकार थी, जिसकी शिकार सामान्य रूप से तानाशाहीपूर्ण व्यवस्थाएं होती हैं—जनता की मर्जी से असंबंध या उसके प्रति अंधता की शिकार। श्रीमती गांधी चुनाव में जीत की उम्मीद लगाए बैठी रहीं, जबकि जनता इस हद तक उन्हें ठुकराने का मन बनाए बैठी थी कि जब चुनाव के नतीजे आए तो कांग्रेस पूरे उत्तरी भारत में लोकसभा की सिर्फ दो सीटों पर सिमट कर रह गयी।

जैसा कि जानी-मानी पत्रकार, मानिनी चैटर्जी ने अपनी एक टिप्पणी में रेखांकित किया था, 2004 के आम चुनाव में एक बार फिर सत्ताधारी पार्टी को इसी प्रकार अप्रत्याशित हार का मुंह देखना पड़ा था। लेकिन, मानिनी ध्यान दिलाती हैं कि 1977 और 2004 की सत्ताधारी पार्टी की हारों में अप्रत्याशितता के तत्व में एक बुनियादी अंतर था। 1977 की हार सत्ताधारी पार्टी के लिए इसलिए अप्रत्याशित थी कि उसे प्रेस के रूप में जनता की राय तक पहुंच ही हासिल नहीं थी, जबकि 2004 के चुनाव में उसकी हार इसलिए अप्रत्याशित थी कि तब तक जनसंचार की मुख्यधारा पर काबिज हो चुका इलेक्ट्रानिक मीडिया हालांकि मुख्यतः सत्ताधारी पार्टी के साथ था, फिर भी उसे आम लोगों की राय के बारे सही फीडबैक देने में असमर्थ था। इमरजेंसी के बाद गुजरे पचास बरस में और 2004 के अप्रत्याशित नतीजे के बाद से गुजरे दो दशकों में, जाहिर है कि हमारे देश में मीडिया परिदृश्य में बहुत भारी बदलाव आए हैं। इसमें भी पिछले एक दशक में तो ये बदलाव और भी ज्यादा तेजी से हुए हैं। इन बदलावों में तीन तत्व मुख्य हैं। पहला यह कि परंपरागत मीडिया यानी पत्र-पत्रिकाओं के मुकाबले इलेक्ट्रानिक मीडिया का जबर्दस्त वर्चस्व कायम हो चुका है। दूसरा यह कि समूचे मीडिया परिदृश्य में इजारेदार पूंजीपतियों का बोलबाला हो गया है और इन इजारेदार पूंजीपतियों का लगभग पूरी तरह से वर्तमान सत्ताधारियों के साथ गठबंधन है। इस सूरत में, अपवादस्वरूप सोशल मीडिया को छोड़कर, स्वतंत्र मीडिया की लगभग कोई जगह ही नहीं बची है। तीसरे, वर्तमान सत्ता ने भी मीडिया को अपने खूंटे से बांधने के लिए साम-दाम-दंड-भेद, सभी हथियारों का खुलकर इस्तेमाल किया है। इस सब के सामने इमरजेंसी का सेंसरशिप का राज तो बच्चों का खेल नजर आता है। इमरजेंसी के प्रतिबंध ज्यादातर नकारात्मक थे, जो सरकार की आलोचनाओं को छानकर रोकने की कोशिश करते थे। मीडिया की वर्तमान घेरेबंदी आक्रामक है, जो मीडिया को सत्तापक्ष की ओर से हमले का हथियार बनाती है। इन दस सालों में मीडिया को एक बहुत ही उपयुक्त परिचयात्मक नाम प्राप्त हुआ है— गोदी मीडिया। लेकिन, वास्तव में मीडिया की वर्तमान स्थिति को प्रतिबिंबित करने के लिए, गोदी मीडिया की संज्ञा भी अपर्याप्त लगती है। इसकी मुख्य वजह यह है कि सत्तापक्ष की जैसी आक्रामक सेवा अब इस गोदी मीडिया की आम पहचान बन चुकी है, गोदी मीडिया की संज्ञा उसे पूरी तरह से अभिव्यक्त करने में असमर्थ है। हैरानी की बात नहीं है कि मीडिया पर सत्ताधारी गुट के लगभग मुकम्मल नियंत्रण के बावजूद, 2024 के आम चुनाव में, 2004 दोहराते-दोहराते बचा था। चार सौ पार का नारा लगाने वाली सत्ताधारी पार्टी ढाई सौ सीटों से भी नीचे रुक गयी और लोकसभा में अपने बूते बहुमत गंवा बैठी।

न्यूज फ्लैश

कथित मेजर ने शादी का झांसा देकर महिला से चार लाख की ठगी की

नोएडा। मेट्रोमोनियल वेबसाइट पर दोस्ती के बाद कथित मेजर ने शादी का झांसा देकर महिला से चार लाख की ठगी की। महिला एक बैंक में मैनेजर है। पैसे मिलने के बाद आरोपी ने महिला का फोन उठाना बंद कर दिया। मामले की शिकायत सेक्टर-20 थाने की पुलिस से की। पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-25 में रहने वाली पीड़िता ने बताया कि मेट्रिमोनियल साइट पर उसकी मुलाकात मार्च में दिल्ली के ताजपुर निवासी रोहित से हुई। उसने खुद को मेजर बताया। विश्वास दिलाने के लिए रोहित ने वर्दी में अपनी कई फोटो भेजी

शिकायतकर्ता ने जब रोहित के बारे में और जानकारी चाही तो उसने बताया कि वह केंद्र सरकार के अधीन बनी स्पेशल फोर्स में है, इसलिए उसकी डिटेल पोर्टल पर नहीं है। साथ ही जब वह मिलता था तो वह पीड़िता के सामने कॉल पर कश्मीर और पीओके ऑपरेशन के बारे में बात करता था और कुछ दिन के लिए गायब हो जाता था।

बहन की शादी के नाम पर लिए चार लाख बैंक मैनेजर महिला ने बताया कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया और परिजनों की बचपन में ही मौत होने की जानकारी दी। उसने यह भी बताया कि उसकी बहनों की पढ़ाई और शादी की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर है। उसने पीड़िता से बहन की शादी, कार और घर की ईएमआई के नाम पर चार लाख दो हजार रुपए ले लिए। बाद में उसने नंबर बंद कर दिया।

नाम व पता बताया गलत मोबाइल नंबर जब बंद आने लगा तो महिला बैंक मैनेजर ने रोहित के बारे में जानकारी एकत्र करनी शुरू की। उसने इसी प्रकार की ठगी की शिकार हुई कई अन्य युवतियों से भी बात की।

आशंका जताई जा रही है कि कथित रोहित ने अपने घर का पता और नाम भी युवती को गलत बताया होगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

बदमाशों ने बाजार से लौट रही महिला के गले से सोने की दस ग्राम की चेन छीन ली

नोएडा। सेक्टर-53 में बाइक सवार बदमाशों ने बाजार से लौट रही महिला के गले से सोने की दस ग्राम की चेन छीन ली। वारदात उस समय हुई जब महिला ई-रिक्शा से उतर रही थी। ये पूरी सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना रविवार की है जिसका सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया।

सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-53 के बी ब्लॉक में रहने वाले अजीत सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर को उनकी मां राजकुमारी खरीदारी करने के लिए नजदीक के बाजार गई थीं।

दो बजे के करीब वह वहां से ई-रिक्शा पर घर आने के लिए बैठीं। दोपहर दो बजकर दस मिनट के करीब जब वह सेक्टर-53 के बी ब्लॉक के सामने ई-रिक्शा से उतर रही थीं, तभी दो बदमाश पीछा करते हुए आए और मौका पाकर शिकायतकर्ता की मां के गले से सोने की चेन झपट ली।

शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हुए। हालांकि तब तब बदमाश फरार हो चुके थे। स्थानीय लोगों का दावा है बदमाशों ने महिला को धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-53 के बी ब्लॉक में रहने वाले अजीत सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर को उनकी मां राजकुमारी खरीदारी करने के लिए नजदीक के बाजार गई थीं।

मोहर्रम के दृष्टिगत पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कार्यालय सूरजपुर पर धर्म गुरूओं व संभ्रांत नागरिकों के साथ मोहर्रम के दृष्टिगत पीस कमेटी की मीटिंग की गयी।

मीटिंग में उपस्थित धर्म गुरूओं व संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद करते हुए उन्हे मोहर्रम को शांति पूर्वक मनाने व किसी भी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के बारे में बताया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यदि कोई भी व्यक्ति द्वारा धार्मिक भावनाएं भड़काने या दुष्प्रचार करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा में चल रहे दो दिवसीय कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन, हमारा विजन भारत को एक विकसित राष्ट्र और विश्व गुरु बनाना है : राज्यपाल

लोक प्रेरणा

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा एआईयू की उत्कृष्टता के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कुलपतियों के सम्मेलन का आज समापन हो गया। इस समापन समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महामहिम आनंदीबेन पटेल, एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के अध्यक्ष प्रो विनय कुमार पाठक और एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने अपने विचार रखे।

उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत में कई सारे विश्वविद्यालय और नित नई विश्वविद्यालय बन भी रहे है, जो अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। दुनिया में कई विश्वविद्यालय हैं जो अपने-अपने क्षेत्रों में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बच्चों की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर भी काम करना चाहिए और कुपोषण की समस्या को खत्म करने में मदद करनी चाहिए, जिससे राष्ट्रीय विकास होगा। उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी सिर्फ शिक्षा देना नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें इससे आगे बढ़कर स्वच्छ पेयजल और उचित स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके अलावा, कौशल विकास और प्रशिक्षण बेहद जरूरी है, यहां तक कि कुलपतियों के लिए भी। महिलाओं को समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए और शून्य गरीबी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करना हमारा मिशन होना चाहिए। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन केवल कागजों तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उन्हें वास्तव में छात्रों के लाभ के लिए सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना चाहिए। हमारा विजन भारत को एक विकसित राष्ट्र और ह्लविश्व गुरुह्व बनाना है और ह्लप्रचारह्व और ह्लप्रसारह्व सीखने के लिए होना चाहिए। हमें भारत की समृद्ध विरासत और विरासत पर गर्व करना चाहिए और बच्चों को प्राचीन काल में भारत द्वारा किए गए आविष्कारों और खोजों के बारे में जागरूक करना चाहिए.ह्व उन्होंने एआईयू को 100 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय प्रयासों के लिए एमिटी विश्वविद्यालय की सराहना की तथा दूरदर्शी शिक्षाविद् होने के लिए डॉ. अशोक के. चौहान की भी सराहना की और कहा कि उन्होने सदैव समाज के हित के लिए कार्य किया है। एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान ने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सम्मेलन के समापन सत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी उपस्थिति अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसने आज यहाँ उपस्थित हम सभी में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है।

सपा नोएडा महानगर ने वीरांगना महारानी दुर्गावती गढ़ मंडला की रानी का बलिदान दिवस मनाया

लोक प्रेरणा

नोएडा। सपा नोएडा महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट पर भारतीय इतिहास की प्रसिद्ध गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती गढ़ मंडला की रानी जी का बलिदान दिवस पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि अकबर की सेना ने रानी दुर्गावती पर तीन बार आक्रमण किया लेकिन रानी ने तीनों बार उन्हें पराजित कर दिया।

एक महिला शासक से कितनी बार हारने के बाद असफ खान गुस्से से भर गया और 1564 में उसने एक बार फिर रानी के राज पर आक्रमण कर दिया युद्ध के दौरान रानी की आंख पर एक तीर लग गया, कुछ सैनिकों ने उन्हें युद्ध भूमि छोड़ने की सलाह दी लेकिन रानी ने बहादुरी से इनकार कर दिया, इस

तरह 24 जून 1564 को वह वीरगति को प्राप्त हुई। महासचिव विकास यादव ने कहा कि यह ऐतिहासिक युद्ध जबलपुर के पास मदन महल किले में हुआ था जहां रहने की शहादत हुई थी और आज वहां रानी दुर्गावती की समाधि स्थित है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव,बबलू चौहान, टीटू यादव,महकार तंवर, जयवीर बाबा, राणा मुखर्जी, उदय सिंह, रूपचंद यादव, शादाब खान, अमित यादव, अमित बसौया, राम सहेली,बबली शर्मा, विश्वास ,हरपाल सिंह,अनुराग यादव, गौरव चौधरी,सिकंदर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अजनारा होम्स सोसाइटी पर ग्रेनो प्राधिकरण ने 5 लाख रुपये का जुमार्ना

पानी की किल्लत होने और सप्लाई वाटर का इस्तेमाल उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए करने पर लगाई पेनल्टी

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16बी स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी पर 5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। सोसाइटी का मोटर पंप खराब होने के कारण निवासियों को पानी की किल्लत से जूझने और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग की तरफ से सप्लाई के पानी का इस्तेमाल उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए करने पर यह पेनल्टी लगाई गई है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश

कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए सेक्टर 16बी स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में पानी की किल्लत से निवासियों के जूझने की जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर प्राधिकरण के जल विभाग की टीम मौके पर गई। टीम ने पाया कि सोसाइटी का मोटर पंप खराब है।

जल विभाग की तरफ से सप्लाई के पानी का इस्तेमाल उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए किया जा रहा है, जबकि एनजीटी की तरफ से स्पष्ट आदेश है कि उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग के लिए एसटीपी के पानी का ही इस्तेमाल कर सकते हैं। पानी की किल्लत के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट से प्राधिकरण की छवि भी धूमिल हो रही है, जिसके चलते प्राधिकरण के जल विभाग ने अजनारा होम्स सोसाइटी पर 5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने सोसाइटी प्रबंधन से अपील की है कि पानी के नेटवर्क को दुरुस्त रखें, ताकि निवासियों को पानी की किल्लत से नहीं जूझना पड़े। उन्होंने उद्यान कार्यों, फ्लशिंग व हाउसकीपिंग कार्यों के लिए एसटीपी से शोधित पानी का ही इस्तेमाल करने की अपील की है।

सेक्टर-145 अस्थाई डंप साइट पर करीब 3.53 लाख टन कूड़ा

नोएडा। सेक्टर-145 अस्थाई डंप साइट को खाली कराया जा रहा है। ड्रोन सर्वे में सामने आया कि अब भी करीब 3.53 लाख टन वेस्ट डंपिंग साइट पर है। रोजाना करीब 1200 टन वेस्ट और आ रहा है। ये वेस्ट सेक्टर और गांवों का है। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि 5 लाख टन वेस्ट का निपटारा प्राधिकरण कराएगा। इसके बाद ही जमीन को रि क्लेम किया जा सकता है। इस प्रस्ताव को बोर्ड में लाया गया। जिसमें तय किया गया कि इस कार्य के लिए कंपनी का चयन टेंडर प्रक्रिया से किया जाएगा।

वर्तमान में डंप साइट पर कूड़े का निपटारा अल्फा थर्म लिमिटेड कंपनी कर रही है। कंपनी बायोरेमीडियेशन पद्यति से कूड़े का निपटारा करती है। 30 नवंबर 2022 को कंपनी के साथ एग्रीमेंट किया गया। जून 2024 तक 5 लाख टन और वेरिएशन के बाद अतिरिक्त 5 लाख टन यानी कुल 10 लाख टन वेस्ट का निपटारा कर चुकी है। इसके बाद भी साइट पर 3.53 लाख टन वेस्ट पड़ा है। इसमें से 1.50 लाख टन वेस्ट का निपटारा अल्फा थर्म कंपनी करेगी। बाकी 2.03 लाख टन और रोजाना वेस्ट का निपटारा चयनित होने वाली कंपनी। बारिश में धीमा हो जाता है काम प्राधिकरण ने बताया कि आगामी तीन महीने तक वेस्ट का निपटारा धीमी गति से हो सकेगा। इसकी वजह बारिश है। प्राधिकरण ने बताया कि एक दिन की बारिश के बाद अगले सात दिनों तक वेस्ट गीला होने से इसके निपटारा करने में समय लगता है। जिससे वेस्ट के निपटारा होने में समय लगेगा। एक बार पूरा वेस्ट का निपटारा हो जाएगा तो जमीन को रि क्लेम किया जा सकेगा। वर्तमान में करीब 69 हजार 900 वर्गमीटर जमीन को रि क्लेम किया जा चुका है।12 महीने में शिफ्ट हो जाएगी साइट प्राधिकरण ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के अस्तौली में वेस्ट से टोरीफाइड चारकोल बनाने के लिए एनटीपीसी और बायो सीएनजी के लिए एनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट पहले किया जा चुका है।

अल्सटोनिया सोसाइटी पर 48 हजार रुपये का जुमार्ना

रोड पर खुले में कूड़ा फेंकने पर ग्रेनो प्राधिकरण ने की कार्रवाई

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर पाई टू स्थित अल्सटोनिया सोसाइटी पर 48,800 रुपये का जुमार्ना लगाया है। प्राधिकरण ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 के अंतर्गत बल्क वेस्ट जेनरेटर होने के बावजूद कूड़े का उचित प्रबंधन न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

दरअसल, प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग की टीम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 के अंतर्गत आने वाले सभी बल्क वेस्ट जेनरेटरों के यहां मौके पर जाकर कूड़े के प्रबंधन का निरीक्षण कर रही है। कूड़े का उचित प्रबंधन न मिलने पर टीम पेनल्टी भी लगाती है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को अल्सटोनिया सोसाइटी का निरीक्षण किया। टीम ने कूड़ा रोड पर देखते हुए पकड़ लिया।

सोसाइटी में कूड़े का उचित प्रबंधन नहीं पाया गया। सोसाइटी से ट्रॉली में कूड़ा भरकर रोड किनारे फेंका जा रहा है। प्राधिकरण की

टीम की तरफ से नोटिस लेने से भी सोसाइटी प्रबंधन ने इंकार कर दिया, जिससे प्राधिकरण की टीम ने नोटिस को समिति के गेट पर चस्पा कर दिया। कूड़े का उचित प्रबंधन न करने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कूड़े का प्रबंधन न करने और सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा फेंकने के चलते सोसाइटी पर 48,800 रुपये की पेनल्टी लगाई है। प्राधिकरण ने जुमार्ने की रकम को तीन कार्य दिवस में जमा कराने को कहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने चेतावनी दी है कि सभी बल्क वेस्ट जेनरेटर अपने कूड़े का निस्तारण खुद से करना सुनिश्चित करें अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ रखने में सभी निवासियों से प्राधिकरण का सहयोग करने की अपील की है।

सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा पर फिर उठे सवाल, पद का दुरुपयोग एवं नियमों का उल्लंघन करने का लगा आरोप

लोक प्रेरणा

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त विभाग के अधीन सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा निदेशालय पर एक बार फिर पद का दुरूपयोग और नियमों का उल्लंघन करने के आरोप लग रहें हैं। इस सन्दर्भ में नोएडा मीडिया क्लब के प्रेसवार्ता कर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, और प्रदेश सरकार से इस मामले में उच्च स्तरीय जांच करते हुए आरोपीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

मंगलवार को नोएडा के सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में रविंद्र कुमार यादव ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा निदेशालय पर आरोप लगाया कि मौजूदा अधिकारियों द्वारा षड्यंत्र कर विभाग की दक्षता को खत्म करते हुए नियमावली में मनमानी की जा रही है और कम योग्यता वाले वरिष्ठ सहायकों को ऑडिटर के पद पर प्रोन्नत किया गया है,जो कहीं ना कहीं एक बड़े भ्रष्टाचार और मनमानी की ओर इशारा कर रहा है।

प्रेसवार्ता के दौरान रविंद्र कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ समय पहले ही सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग में हो रही गड़बड़ियों को लेकर पूर्व में एक निदेशक को निलंबित किया था। इन पर नियम के विरुद्ध पदोन्नतियां और तैनाती के आरोप लगाए गए थे और यह भी कहा गया था कि निदेशक द्वारा पद के दुरुपयोग किया जा रहे हैं और शासनादेशों एवं नियमों का भी उल्लंघन किया जा रहा है। वहीं रविंद्र कुमार यादव ने बताया मौजूदा समय में भी पहले की तरह ही गड़बड़ियां निदेशालय में की जा रही है और मौजूदा अधिकारियों द्वारा मनमाने तरीके से पदोन्नति और तैनाती की जा रही है,साथ ही सूचना के अधिकार या आईजीआरएस के तहत अगर निदेशालय से किसी तरह की जानकारी मांगी जाती है तो निदेशालय द्वारा जानकारी देने की बजाय गुमराह किया जाता है।

ग्रेनो के सभी एसटीपी पर लगेंगे ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम

बादलपुर में किया शुरू, अब ईकोटेक-2 व 3 के एसटीपी की बारी

लोक प्रेरणा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में बने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। बादलपुर स्थित एसटीपी से इसकी शुरूआत भी हो गई है। अब ऑफिस से ही इस एसटीपी की मॉनिटरिंग की जा रही है।

नमामि गंगा परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी एसटीपी को ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सीवर विभाग को ग्रेटर नोएडा के सभी एसटीपी में ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम तत्काल लगाने के निर्देश दिए। सीवर विभाग ने इस योजना पर तत्काल काम शुरू कर दिया। बादलपुर स्थित दो एमएलडी क्षमता के एसटीपी पर सबसे पहले इसे लागू किया गया है। प्राधिकरण ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम को सभी एसटीपी पर लागू करने जा रहा है। प्राधिकरण का अगला लक्ष्य सेक्टर ईकोटेक दो व तीन स्थित एसटीपी हैं। सेक्टर ईकोटेक-दो की क्षमता 15 एमएलडी और ईकोटेक-3 की क्षमता 20 एमएलडी की है। इन दोनों एसटीपी पर दो सप्ताह में ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम लग जाएंगे। कासना स्थित 137 एमएलडी

क्षमता के एसटीपी पर एक माह में ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने की तैयारी है। इसका टेंडर जारी किया गया है। एक एसटीपी पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने में लगभग 30 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जिसे प्राधिकरण वहन कर रहा है। वरिष्ठ प्रबंधक विनोद शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस होने के बाद प्राधिकरण के अधिकारी ऑफिस में बैठकर नजर रख सकेंगे। सीवर शोधन से पहले और बाद में बीओडी-सीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड और केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) की मात्रा कितनी हैं, यह जानकारी ऑफिस में मिल सकेगी। इस सिस्टम से छह मोबाइल-लैपटॉप कनेक्ट हो सकते हैं। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक, कॉन्ट्रैक्टर, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नमामि गंगा परियोजना से जुड़ी अथॉरिटी भी इसकी मॉनिटरिंग करेगी।

एसीईओ का बयान

ह्लसभी एसटीपी को ऑनलाइन कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस करनी योजना पर काम चल रहा है। बादलपुर के एसटीपी पर इसे लगाया जा चुका है। बाकी एसटीपी पर भी ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने की तैयारी है। इससे एसटीपी का संचालन और गुणवत्ता पर नजर रखने में आसानी होगी।

एसटीपी --क्षमता
बादलपुर --2 एमएलडी
कासना --137 एमएलडी
इकोटेक-2 --15 एमएलडी
इकोटेक-3 --20 एमएलडी।

इको वैन हादसे में पांच छात्र घायल

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर एक इको वैन हादसे का शिकार हो गई। वैन पलटने से पांच छात्र घायल हो गए। यह घटना थाना बीटा-2 क्षेत्र में चुहड़पुर अंडरपास के पास हुआ है। घटना के समय इको वैन में सभी छात्र सवार थे और बोटैनिकल गार्डन से गलगोटिया यूनिवर्सिटी जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक वैन का टायर निकल गया, जिससे वाहन पलट गया। हादसे में सभी छात्रों को मामूली चोटें आईं।

एससी रोड पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड रोड का काम पूरा, फिनिशिंग के काम में तेजी

नोएडा। नोएडा में दादरी-सूरजपुर-छलेरा (डीएससी) रोड पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड रोड के काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का काम किया जा रहा है। कयास लगाए जा रहे है जुलाई में इसे लोगों के लिए शुरू किया जा सकता है।

इलेक्ट्रिक पोल लगाने का काम भी अंतिम दौर में है। हालांकि इसका शुभारंभ जून में किया जाना था। यह परियोजना पहले से ही करीब तीन साल देरी से चल रही है। निर्माण में 608 करोड रुपए खर्च किए जा रहे है।

कर्व पर लगेंगी कवरिंग शीट बरौला, भंगेल और सलारपुर में जाम खत्म करने के लिए इस एलिवेटेड रोड का निर्माण कराया जा रहा है। यह एलिवेटेड रोड सेक्टर-41 अगाहपुर से फेज-टू के गंदे नाले के पास तक बन रहा है।

इसका काम जून 2020 में शुरू किया गया था। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटेड रोड का निर्माण पूरा हो चुका है। एलिवेटेड के प्रत्येक कर्व पर कवरिंग शीट भी लगाई जाएगी। रोड पर दुर्घटनाओं को रोका जा

सके।

लूप के लिए भी टेंडर जारी नहीं हुआ इस एलिवेटेड रोड के लिए सेक्टर-49-107 चौराहे पर दोनों ओर दो-दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूरजपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा।

इसके दूसरी तरफ सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे। इनको मंजूरी हुए करीब सवा दो साल से अधिक का समय हो चुका है लेकिन अभी तक टेंडर जारी नहीं किया गया है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि पहले एलिवेटेड रोड को पूरी तरह से पूरा किया जाएगा। इसके बाद लूप बनाए जाएंगे।

भंगेल एलिवेटड एक नजर में

डीएससी रास्ते पर अगाहपुर पेट्रोल पंप से एलईजेड तक करीब 4.5 किमी लंबी एलिवेटड है।

इसके निर्माण में करीब 608.81 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। इसका निर्माण पूरा किया जा चुका है।

अप्रैल 2025 की इसकी डेडलाइन है। हालांकि अभी इसमें समय लगेगा।

इसके निर्माण के बाद एलिवेटड पर लूप बनाए जाएंगे इसके लिए अलग से टेंडर जारी होगा।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

पीएम मोदी की राष्ट्रनीति और कूटनीति सही दिशा में : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पीएम मोदी की राष्ट्रनीति और कूटनीति सही दिशा में है, जिसके कारण मुश्किल वैश्विक परिस्थितियों में भी भारत सुरक्षित और मजबूत स्थिति में है।
नकवी ने कहा कि आज भारत 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'सर्वे सन्तु निरामयाः' के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसका अर्थ है सभी सुखी और स्वस्थ रहें।
उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की कूटनीति आज इतनी सशक्त है कि कोई इस पर सवाल नहीं उठा सकता।
नकवी ने बुद्ध की धरती और भारत की शांति की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि भारत हमेशा से युद्ध का विरोध करता रहा है। सरकार ने शांति और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी है, जिससे वैश्विक

मंच पर भारत की स्थिति और मजबूत हुई है।
उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है और वैश्विक कूटनीति में भारत की भूमिका सराहनीय है।
नकवी ने आपातकाल (1975) को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस साल आपातकाल के 50 साल पूरे हो रहे हैं और भाजपा पूरे देश में लोगों को यह बताएगी कि आजादी कांग्रेस की देन नहीं, बल्कि क्रांतिकारियों की कुबार्नी का नतीजा है।
उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आजादी के बाद लोकतंत्र को मजबूत होने से पहले ही उसका गला घोंटने की कोशिश की थी।
नकवी ने कहा कि आपातकाल का दाग कांग्रेस के इतिहास पर ऐसा कलंक है, जिसे कोई भी 'वंशवादी डिटर्जेंट' साफ नहीं कर सकता।
उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस के अहंकार और अराजकता को देश ने देखा था। यह एक ऐसा अपराध था, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता।

परमवीर मनोज : 24 साल की उम्र, पहाड़ सा हौसला, कारगिल में पाक को किया पस्त

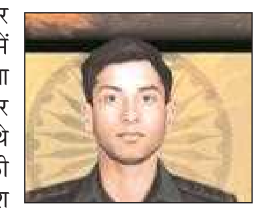

नई दिल्ली । अदम्य वीरता, साहस और देशभक्ति की बात होती है तो जेहन में भारत माता के उन सपूतों का ख्याल आता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर तिरंगे का मान बढ़ाया। उन्हीं में से एक थे कैप्टन मनोज कुमार पांडेय, जिनकी वीरता, साहस और देशभक्ति को देश सलाम करता है।
परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन मनोज कुमार पांडेय की शौर्यगाथा हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। महज 24 साल की उम्र में कैप्टन मनोज कुमार पांडेय ने खालूबार की दुर्गम चोटियों पर दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए और अपने प्राणों की आहुति देकर तिरंगे का मान बढ़ाया।
कैप्टन मनोज कुमार पांडेय का जन्म 25 जून 1975 को उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के रुधा गांव में एक कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता गोपीचंद पांडेय एक छोटे व्यवसायी थे और मां मोहिनी पांडेय ने बचपन से ही उनमें वीरता और देशभक्ति की भावना जागृत की। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लखनऊ के सैनिक स्कूल और रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पूरी की। 1990 में उन्हें उत्तर प्रदेश एनसीसी जूनियर डिवीजन का सर्वश्रेष्ठ कैडेट भी चुना गया था।
मनोज ने 12वीं कक्षा के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला, पुणे में प्रवेश लिया। हालांकि, एनडीए के इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वे सेना में क्यों शामिल होना चाहते हैं, तो उनका जवाब था, "परमवीर चक्र जीतने के लिए।" इसका जिक्र श्रींजॉय चौधरी की किताब "डिस्पैचेज फ्रॉम कारगिल" में किया गया है। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्हें 1997 में 1/11 गोरखा राइफल्स की पहली बटालियन में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन मिला। उनकी पहली तैनाती कश्मीर घाटी में हुई, जहां उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ कई सफल अभियान चलाए।
1999 के कारगिल युद्ध में कैप्टन मनोज पांडेय को खालूबार चोटी पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, जो 10,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित थी। यह चोटी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण थी, क्योंकि इससे पाकिस्तानी घुसपैठियों को रसद आपूर्ति में बाधा पहुंचाई जा सकती थी।
2-3 जुलाई 1999 की रात मनोज ने अपनी बटालियन के साथ आगे बढ़ना शुरू किया। भीषण ठंड और दुश्मन की ताबड़तोड़ गोलीबारी के बावजूद उन्होंने निडरता से नेतृत्व किया। अपनी खुकरी से चार दुश्मन सैनिकों को मार गिराया और तीन बंकरों को भी नष्ट कर दिया। हालांकि, तीसरे बंकर को नष्ट करने के दौरान उनके कंधे और पैर में गोलियां लगीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। चौथे बंकर पर ग्रेनेड फेंकते समय उनके माथे पर दुश्मन की मशीनगन से चलाई गई गोली लगी और वे शहीद हो गए।
उनके बलिदान से खालूबार पर तिरंगा लहराया और भारतीय सेना ने छह बंकरों पर कब्जा कर लिया, जिसमें कई दुश्मन सैनिक मारे गए और हथियारों का बड़ा जखीरा भी जब्त किया गया।
हालांकि, कैप्टन मनोज कुमार पांडेय की ह्यपरमवीर चक्रह्न जीतने की ख्वाहिश पूरी हुई, लेकिन उन्हें देश का सर्वोच्च वीरता सम्मान ह्यपरमवीर चक्रह्न मरणोपरांत से सम्मानित किया गया। 26 जनवरी 2000 को तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन ने पिता गोपीचंद पांडेय को यह सम्मान सौंपा।
उनकी वीरता को सम्मानित करने के लिए लखनऊ के सैनिक स्कूल का नाम बदलकर ह्यकैप्टन मनोज कुमार पांडेय यूपी सैनिक स्कूलह्न रखा गया। लखनऊ के गोमती नगर में उनके नाम पर एक चौराहा और उनकी प्रतिमा भी स्थापित की गई है। 2003 में बनी फिल्म ह्यएलओसी कारगिलह्न में उनके किरदार को अभिनेता अजय देवगन ने निभाया और अमर चित्र कथा ने उनकी वीरता पर एक कॉमिक बुक भी प्रकाशित की। मनोज की डायरी में लिखे उनके विचार उनकी देशभक्ति और साहस को दशार्ते हैं। उन्होंने लिखा था, "कुछ लक्ष्य इतने महान होते हैं कि उन्हें पाने में विफल होना भी गौरवपूर्ण होता है।" 1999 युद्ध के नायकों में से एक कैप्टन मनोज कुमार पांडेय की शौर्यगाथा न केवल कारगिल युद्ध की विजय का प्रतीक है, बल्कि यह हर भारतीय को देश के लिए समर्पण और बलिदान की भावना सिखाती है। उनकी वीरता और परमवीर चक्र की उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार आयोग, इलेक्शन कमीशन ने राहुल गांधी को दिया चर्चा का निमंत्रण

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 पर चर्चा की मांग का चुनाव आयोग ने जवाब दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनाव आयोग के साथ बातचीत के लिए निर्मंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलने और सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है।
भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय ने कहा, "पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर एक अखबार में प्रकाशित आपके लेख के मद्देनजर मुझे यह बताने का निर्देश दिया गया है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को आईएनसी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है।"
इसमें आगे कहा गया, "सभी चुनाव भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा संसद द्वारा पारित निर्वाचन कानूनों, उनमें बनाए गए नियमों और समय-समय पर जारी किए गए आयोग के निदेशों के अनुसार सख्ती से आयोजित किए जाते हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि पूरी चुनाव प्रक्रिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से आयोजित की जाती है, जिसमें महाराष्ट्र भर में 1,00,186 से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), 288 निर्वाचक रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक, 288 रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) जो आयोग द्वारा नियुक्त किए गए थे और राष्ट्रीय एवं राज्य राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1,08,026 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), जिनमें आईएनसी के 28,421 एजेंट शामिल थे- ने इसमें भाग लिया था।"

जालंधर गोलीकांड में पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी का नाम आया सामने

एनआरआई परिवार से मांगी थी फिरौती

जालंधर । पंजाब के जालंधर में हुए गोलीकांड से इलाके के लोगों में दहशत है। कथित तौर पर दो युवकों ने एक घर पर हमला करते हुए गोलियां चलाई थीं। फिलहाल इस गोलीकांड में पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी का नाम जुड़ रहा है। पुलिस ने बताया कि कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने फिरौती न मिलने के बाद फायरिंग करवाई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। जालंधर पुलिस ने गोलीकांड की पुष्टि की है।
जालंधर में 23 जून (सोमवार) की रात करीब 8:30 बजे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने एक घर के बाहर फायरिंग की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और

जांच शुरू कर दी।
डीसीपी मनप्रीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि जिस घर के बाहर फायरिंग हुई, उसमें दो बुजुर्ग रहते हैं। उनके अनुसार उनका बेटा पुर्तगाल में रेस्टोरेंट चलाता है। बीते शुक्रवार को शहजाद भट्टी ने उससे फिरौती की मांग की थी। फिरौती न मिलने पर रविवार को फायरिंग करवा दी गई। पुलिस को घटनास्थल से गोलियों के चार खोल मिले हैं।
घर में रहने वाली महिला चरणजीत कौर ने बताया कि गोलियां चलने से 5 मिनट पहले उन्हें एक फोन आया, जो उन्होंने अटेंड नहीं किया। दूसरी कॉल आने पर जैसे ही फोन उठाया, उधर से गालियां दी जाने लगीं और फिर धमकी मिली कि "पांच मिनट बाद देखना क्या होता है।"
चरणजीत कौर ने कहा, "मैंने फोन बंद किया ही था कि बाहर गोलियों की आवाज आने लगी। करीब 10 से 12 गोलियां चलीं। मेरे तीन बेटे पुर्तगाल में रहते हैं। ये किसी ट्रैवल एजेंट से जुड़ा मामला लग रहा है। बाकी मुझे कुछ नहीं पता।"
फिलहाल इस गोलीकांड के बाद जालंधर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है और आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें बदमाश फायरिंग करते देखा जा सकता है।

कलेक्टर ने किसान संगठनों को दिया आश्वासन, नहर चोरी रोकने के भी सख्त निर्देश

श्रीगंगानगर। गंगनहर में निर्धारित 2500 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराने, नहर में पानी चोरी रोकने और फिरोजपुर फीडर निर्माण सहित विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को जिला प्रशासन और किसान संगठनों के बीच कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण वार्ता हुई। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर पूरी तरह गंभीर और सक्रिय है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई पानी उपलब्ध होगा।
बैठक में जिला प्रशासन ने बताया कि प्रदेश सरकार गंगनहर में पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। वर्तमान में पंजाब सरकार के साथ समन्वय कर गंगनहर में और अधिक पानी लाने के लिए किसान प्रतिनिधि और सिंचाई विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से दौरा करेंगे।
पानी चोरी की रोकथाम के मुद्दे पर जिला कलेक्टर ने कहा कि सिंचाई विभाग के साथ-साथ पुलिस बल भी गंगनहर की निगरानी करेगा। क्षेत्र में नहरों से अवैध रूप से पानी लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि ईमानदार किसानों के हक का पानी सुरक्षित रह सके।

फिरोजपुर फीडर निर्माण कार्य पर जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता (हनुमानगढ़) प्रदीप रुस्तगी ने बताया कि इस फीडर का निर्माण पंजाब सरकार द्वारा किया जाना है। कार्यवाही प्रगति पर है। निर्माण के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था के तहत किसानों को सिंचाई जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे खेती प्रभावित न हो।

फसल बीमा योजना के भुगतान पर भी हुई चर्चा
बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत लंबित दावों के भुगतान पर भी चर्चा हुई। जिला कलेक्टर ने बताया कि डीजीआरसी की हाल ही में हुई बैठक में बीमा कम्पनी को 15 दिन के भीतर भुगतान के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके लिए कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक को नियमित फॉलोअप करने के निर्देश भी दिए गए हैं।
जनप्रतिनिधियों ने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा
वार्ता के दौरान सांसद कुलदीप इंदौरा, श्रीकरणपुर विधायक रुपिंदर कुन्नर, विधायक डूंगरराम गेदर, रायसिंहनगर विधायक सोहन नायक, जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, पूर्व विधायक राजकुमार गौड़, सोना देवी बावरी, महेंद्र सिंह बराड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी किसानों की समस्याओं पर अपनी बात रखी।
किसान संगठनों ने गंगनहर में तय मात्रा में पानी की आपूर्ति, नहरों से पानी चोरी पर सख्त नियंत्रण, फिरोजपुर फीडर का शीघ्र निर्माण और फसल बीमा भुगतान जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाया।

ओआईसी को भारत के आंतरिक मामलों पर बोलने का कोई हक नहीं - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, । भारत ने सोमवार को इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से की गई भारत-विरोधी टिप्पणियों को सिरे से खारिज करते हुए उसे "अनुचित और तथ्यहीन" बताया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि ओआईसी को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है, खासकर जम्मू-कश्मीर के मामले में।
विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, ह्ये टिप्पणियां पाकिस्तान द्वारा प्रेरित हैं, जिसने आतंकवाद को अपनी राजनयिक नीति का हिस्सा बना लिया है। यह ओआईसी मंच का संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए निरंतर दुरुपयोग है।
ओआईसी की विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) का 51वां सत्र 21-22 जून को तुर्की के इस्तांबुल में आयोजित हुआ, जिसमें 147 प्रस्तावों और इस्तांबुल घोषणा पत्र को अपनाया गया।
विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओआईसी बार-बार पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के वास्तविक और दस्तावेजीकृत खतरों की अनदेखी करता है। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में यह स्पष्ट रूप से देखा गया, जो इस मंच की सच्चाई और वैश्विक आतंकवाद विरोधी सहमति के प्रति जानबूझकर की जा रही उपेक्षा को दशार्ता है।
विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा, "जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न और संप्रभु हिस्सा है। यह भारत के संविधान में दर्ज है। ओआईसी को पाकिस्तान के प्रचार के प्रभाव में आकर अपने एजेंडे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए, वरना इसकी विश्वसनीयता और प्रासंगिकता को गहरी क्षति पहुंचेगी।"
विदेश मंत्रालय ने ओआईसी बैठक में पाकिस्तान द्वारा लगाए गए "बेसिर-पैर के आरोपों" को भी खारिज किया और कहा कि यह पाकिस्तान द्वारा दुनिया का ध्यान अपने यहां प्रायोजित आतंकवाद, अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न, और सांप्रदायिक हिंसा से भटकाने की नाकाम कोशिश है।
भारत ने कहा, "पाकिस्तान द्वारा लगाए गए 'अकारण और अनुचित सैन्य आक्रामकता' के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' एक वैध और सटीक आत्मरक्षा की कार्रवाई थी, जो पाकिस्तान की जमीन से संचालित आतंकवादी शिविरों के विरुद्ध की गई थी।"
भारत का कहना है कि यह हास्यास्पद है कि पाकिस्तान सिर्फ भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की बात करता है, जबकि उसके जवाबी हमले विफल रहे और उन्होंने आम नागरिकों की जान और संपत्ति को खतरे में डाला, जिसमें कई नागरिक हताहत हुए।

हरियाणा से तंजानिया तक....अब गीता बोलेगी ग्लोबल

चंडीगढ़। जब भारत बोलता है, तो केवल शब्द नहीं बोलता, बल्कि आत्मा बोलता है।" जब हरियाणा बोलता है, तो गीता उनकी जुबान होती है। "आजकल बात सिर्फ खलिहानों और खेतों की नहीं है। आज बात है विश्व स्तर पर पहचान की। हरियाणा अब तंजानिया अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में कुछ ऐसा करेगा जो आमतौर पर सरकारी गतिविधियों में नहीं दिखता- वह अफ्रीका की धरती पर गीता को जानकर खड़ा होगा और दुनिया को बताएगा कि भारत की आत्मा सिर्फ सिलिकॉन वैली में नहीं बल्कि कुरुक्षेत्र की धूल में बसती है।

गीता : शब्द नहीं, जीवन की दिशा है!"
कुछ लोग इस कृति को दार्शनिक दृष्टि से देखते हैं, तो कुछ धार्मिक दृष्टि से। फिर भी गीता एक ऐसा दर्पण है जो हमें खुद से रूबरू कराता है। हरियाणा प्रशासन अब इस 'दर्पण' को दुनिया भर के दर्शकों के सामने दिखाएगा। गीता के मर्म को सिर्फ हिंदी या अंग्रेजी में ही नहीं, बल्कि कई देशों की

भाषाओं में संप्रेषित किया जाएगा। क्यों? क्योंकि गीता का ज्ञान सिर्फ भारत के कॉपीराइट की बजाय मानव जाति का है।

तंजानिया बोलेगा अब गीता की जुबान!
यह कोई जल्दीबाजी नहीं है। 2025 में कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानिया को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। हरियाणा वर्तमान में किससे जुड़ा है? उस रिश्ते से बने पुल के जरिए अफ्रीका। 28 जून से 13 जुलाई तक चलने वाले इस व्यापार मेले में हरियाणा सिर्फ. एक राज्य के तौर पर ही नहीं बल्कि एक संस्कृति, एक चर्चा और एक संभावना के तौर पर भी उभरेगा।

गीता के साथ मिलेगा हरियाणा का स्वाद!
चलिए अब थोड़ा और हकीकत जान लेते हैं। यमुनानगर की प्लाइवुडजगाधरी की लंबे समय तक चलने वाली कटलरीखादी के पारंपरिक परिधानहैफेड के परिष्कृत सामानऔर वो खेती के औजार जो किसानों के हाथों को सशक्त बनाते हैंतंजानिया में भी ये सब दिया जाएगा। क्योंकि "मेड इन हरियाणा" अब वैश्विक बाजार में भारतीय आत्मनिर्भरता की विशिष्ट पहचान बन रहा है।

खेती से क्लाउड तक... ये है हरियाणा!
यह घटना वस्तुओं और संस्कृति से परे है। हरियाणा भी अपनी डिजिटल कहानी साझा करेगा। इंटरनेट ने कैसे गाँवों को पायाकैसे पोर्टल ने योजनाओं को सिर्फ. पन्नों तक ही नहीं बल्कि लोगों के मोबाइल फोन तक पहुँचाया

एक क्लिक, कई ज़िंदगियों में क्रांति!"
हरियाणा अब सिर्फ जाट लैंड नहीं रहा, बल्कि यह एक विश्वव्यापी विचार बनने लगा है, यानी जड़ों से जुड़कर भविष्य की ओर बढ़ने की तैयारी है। यह परियोजना सिर्फ एक "प्रदर्शन" नहीं है। यह भारत की आत्मा को पूरी दुनिया के साथ "साझा" करने का प्रयास है।

ये प्रदर्शनी नहीं... गीता का वैश्विक संवाद
यह प्रदर्शनी नहीं बल्कि एक संवाद है। गीता बोलेगी और हरियाणा चलेगा, दुनिया सुनेगी। "गीता कोई पवित्र ग्रंथ नहीं है...यह एक विश्वव्यापी संदर्भ के रूप में काम करती है। हरियाणा उस जानकारी का माध्यम बन गया है।

हरियाणा में सीईटी से पहले ही बवाल, रजिस्ट्रेशन, शिफ्ट सिस्टम पर उठे सवाल, मामला पहुंचा हाई कोर्ट

चंडीगढ़। हरियाणा में ग्रुप-सी की सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली सीईटी परीक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अब यह मामला पहुंचा है। छह आवेदकों ने परीक्षा के प्रारूप और पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर याचिका दायर की है। याचिकाकताओं की मांग साफ है कि या तो उन्हें पहले भरे गए फॉर्म में जरूरी सुधार करने का मौका दिया जाए या फिर पोर्टल को फिर से खोला जाए। क्यों? पोर्टल का ओटीपी समय पर नहीं आया; सरल पोर्टल पर जाति प्रमाण पत्र समय पर नहीं बना; और जब तक वे कुछ समझ पाते, अंतिम पंजीकरण तिथि निकल गई।

सरल नाम....मुश्किल काम!
खास तौर पर हरियाणा सरकार के सरल पोर्टल को लेकर याचिका में गंभीर सवाल उठाए गए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि ओबीसी और बीसी प्रमाण पत्र समय पर नहीं बन पाए। इस वजह से उन्हें सामान्य श्रेणी में पंजीकरण कराना पड़ा, जिसका सीधा असर आरक्षण लाभ पर पड़ सकता है। शीतल, निशा और नैन्सी नाम की अभ्यर्थियों ने कहा है कि उन्होंने समय पर आवेदन किया, लेकिन पोर्टल प्रक्रिया इतनी सुस्त थी कि प्रमाण पत्र नहीं मिल सका।

15 दिन : सिस्टम की जल्दबाजी?
याचिका में आगे कहा गया है कि सीईटी के लिए सिर्फ 15 दिन आवंटित किए गए थे, जबकि 2022 में पंजीकरण प्रक्रिया में एक साल से अधिक समय लग गया। अभ्यर्थी पूछ रहे हैं: यदि पिछली बार एक वर्ष का समय दिया गया था, तो इस बार इतनी जल्दी क्यों?

क्लिक पास... सिस्टम फेल
अभ्यर्थी तनु का दावा है कि वह पंजीकरण पूरा नहीं कर सकी क्योंकि वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) साइट पर ओटीपी अक्सर देरी से आता था। कई अभ्यर्थियों को तकनीकी समस्याओं के कारण सिस्टम छोड़ना पड़ा, जो समान अवसर के विचार के विपरीत है।

श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने में बेहतर मंच साबित होगा राष्ट्रीय सम्मेलन : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़। देश में पहली बार हो रहे शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान और अनुभव साझा करने का बेहतर मंच साबित होगा। इससे पूरे देश में शहरी प्रशासन को और अधिक सक्षम व उत्तरदायी बनाने में मदद मिलेगी।
यह बात हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को विधानसभा सचिवालय में सभी नोडल अधिकारियों की बैठक में कही। यह बैठक सम्मेलन से संबंधित तैयारियों की गहन समीक्षा के लिए

बुलाई गई थी। इससे पूर्व विस अध्यक्ष ने हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक की।
सम्मेलन 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम जिले के मानेसर स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी परिसर में होगा। देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, नीति निमार्ता, शहरी विकास विशेषज्ञ, प्रशासक और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।
विधान सभा अध्यक्ष कल्याण ने बैठक में स्पष्ट किया कि सम्मेलन की हर व्यवस्था सुव्यवस्थित, समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर विभाग के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं, जो अपनी-अपनी जिम्मेदारी के प्रति उत्तरदायी होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधियों के आवास, परिवहन, भोजन, सुरक्षा, जन-संपर्क और कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाएं उच्च स्तर की हों। उन्होंने कहा कि सम्मेलन हरियाणा की प्रतिष्ठा से जुड़ा है और इसकी सफलता के लिए हम सबकी सामूहिक सहभागिता और कर्तव्यपरायणता आवश्यक है।
उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वे अपने समकक्ष लोक सभा सचिवालय और गुरुग्राम जिला प्रशासन के सभी विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें और हर छोटी-बड़ी आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करें।
विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन, स्मार्ट सिटी योजनाओं, नागरिक सुविधाओं के सशक्तिकरण तथा सतत शहरी प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहेगा। इस बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के सचिव एवं आयुक्त विकास गुप्ता, सूचना एवं जन संपर्क विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया उपस्थित रहे।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने हिंडन गाजियाबाद से लखनऊ की फ्लाइट चलाने के लिए लिखा पत्र

कहा सेवा शुरू होने से व्यापार, चिकित्सा, प्रशासनिक यात्राएं होगी आसान

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । गाजियाबाद के हिंडन टर्मिनल से लगातार अलग-अलग शहरों और प्रदेशों के लिए हवाई सेवाएं विस्तार की जा रही हैं। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने सोमवार को हिंडन एयरपोर्ट पर टर्मिनल मैनेजर और एयर इंडिया एक्सप्रेस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करते हुए उनसे गाजियाबाद से लखनऊ के लिए सीधी उड़ान शुरू करने की बातचीत की। इस दौरान मंत्री नरेंद्र कश्यप ने पत्र लिखा है और एयर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारियों से कहा है कि गाजियाबाद से लखनऊ के लिए सीधी फ्लाइट शुरू होने से न सिर्फ आम जनता बल्कि कंपनी को भी सीधा लाभ मिलेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि वर्तमान समय में गाजियाबाद से लखनऊ के लिए सीधी फ्लाइट होना इस वक्त की मांग है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली -एनसीआर में लाखों लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इसी के साथ जो कंपनी इसको संचालित करेगी, उसका भी लाभ होगा। स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप का कहना है कि प्रतिदिन लखनऊ बड़ी संख्या में लोग व्यापार, चिकित्सा, शिक्षा और प्रशासनिक यात्राओं के चलते आते जाते हैं। उनको काफी सहूलियत होगी। उनके समय और धन की भी बचत होगी। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने हिंडन स्थित अधिकारियों से बातचीत की है तो एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को गाजियाबाद से लखनऊ के लिए शुरू करने पर जल्द फैसला लेने के लिए पत्र भी लिखा है। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि गाजियाबाद और लखनऊ के बीच पहले भी हवाई सेवा शुरू करने पर जोर दिया जा रहा था। अब उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप के इस पत्र के बाद इस पर और तेजी आएगी।

न्यूज फ्लैश

पति और सास ससुर पर दहेज में 10 लाख व कार मांगने का आरोप, पति समेत 10 पर मुकदमा

लोक प्रेरणा

साहिबाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के भारत सिटी सोसायटी निवासी एक महिला ने अपने पति गौरव थापा और सास-ससुर समेत 10 लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व धमकी देने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है। दोनों का प्रेम विवाह हुआ था। शादी के बाद इंदौर में व्यापार शुरू करने के लिए दहेज में 10 लाख रुपये की मांग करने और प्रताड़ित करने का आरोप महिला ने पति पर लगाया है। पुलिस ने 22 जून को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

दर्ज मुकदमे में महिला ने बताया कि उनकी मुलाकात वर्ष 2016 में गौरव थापा से हुई थी। करीब छह वर्षों तक प्रेम-संबंध रहने के बाद परिवार वालों की सहमति से उनकी शादी हो गई। बताया कि शादी के कुछ ही दिनों पर ससुराल वालों ने दहेज की मांग शुरू कर दी। गौरव के व्यापार को शुरू करने के लिए उन पर मायके से 10 लाख रुपये लाने और छह लाख रुपये की एफडी तुड़वाने की मांग होने लगी। यहां तक कि एक कार भी दहेज बतौर मांगी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तब आरोपियों ने उन्हें शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। एक जनवरी 2024 को ससुराल वालों ने मारपीट करके बाहर निकाल दिया। इसके बाद कई बार उनके मायके पहुंचकर परिवार वालों से गाली-गलौज, अभद्रता व मारपीट भी की। प्रभारी एसीपी शालीमार गार्डन अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देश के पूंजीगत निवेश का इंजन बन रहा उत्तर प्रदेश, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16.3% हिस्सेदारी के साथ नंबर-1 रहने का अनुमान

लखनऊ । उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह देश के विकास इंजन के तौर पर मजबूती से उभर रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के कुल पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडीचर) में अकेले यूपी की हिस्सेदारी 16.3% रहने का अनुमान है, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है। यह लगातार दूसरा वर्ष होगा जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पूंजी व्यय में टॉप पर रहेगा।

उल्लेखनीय है कि पूंजीगत व्यय का अर्थ उस धनराशि से है जो सरकारें स्थायी परिसंपत्तियों जैसे कि सड़कें और राजमार्ग, विद्यालय, अस्पताल आदि के निर्माण या अधिग्रहण पर खर्च करती हैं। सरल शब्दों में यह वह खर्च है जो सरकार भविष्य की सुविधा और विकास के लिए करती है जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना।

बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से प्रस्तुत की गई हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में देश के 26 राज्यों का कुल पूंजीगत व्यय 10.2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष 8.7 लाख करोड़ रुपए था।

रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश (16.3%), गुजरात (9.4%), महाराष्ट्र (8.3%), मध्य प्रदेश (8.1%) और कर्नाटक (7.6%) पांच राज्य मिलकर देश के कुल पूंजीगत व्यय का 50% से अधिक हिस्सा खर्च करेंगे।

इन आंकड़ों में सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश का नाम आना इस बात का संकेत है कि राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास की रफ्तार तेज है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी यूपी ने सबसे अधिक 16.9% पूंजीगत व्यय किया था। इसके बाद महाराष्ट्र (10.9%), गुजरात (8.1%), मध्य प्रदेश (7.5%) और ओडिशा (6.4%) थे।

योगी सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में की गई रणनीतिक योजना, निवेशक सम्मेलन, लॉजिस्टिक हब निर्माण, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट्स का विस्तार जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स ने राज्य को पूंजीगत निवेश के मामले में देश का सिरमौर बना दिया है। यूपी इंडस्ट्रियल डिफेंस कॉरिडोर, इंटरनेशनल फिल्म सिटी, मेडिकल कॉलेजों का निर्माण और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स भी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इज ऑफ डूइंग बिजनेस और कानून-व्यवस्था में सुधार के चलते यूपी घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए पहली पसंद बन गया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान मिले भारी निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे राज्य का कैपिटल एक्सपेंडिचर भी बढ़ा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

इंस्टाग्राम में दोस्ती, फिर ब्लैकमेलिंग से परेशान प्रेमी ने गला दबाकर की प्रेमिका की हत्या, गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

साहिबाबाद। थाना क्षेत्र के मोहननगर की रहने वाली सोनिया (33) की उसके ही प्रेमी फरुर्खाबाद निवासी किशनपाल ने गला दबाकर हत्या कर दी। महिला का शव 18 जून को उसके ही घर में मिला था। 21 जून को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने जांच शुरू की। महिला के मोबाइल फोन की सीडीआर निकाली तब आरोपी का सुराग मिला। 22 जून की रात पुलिस ने आरोपी किशनपाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर महिला की हत्या करने की बात स्वीकार की है।

एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि सोनिया मोहननगर में दो बच्चों के साथ किराये के मकान में रह रही थीं। उनके पति कमलेश मजदूरी के लिए आठ-दस दिन पहले ही गुजरात गए थे। 18 जून की रात करीब आठ बजे सोनिया का शव घर में ही बेड पर पड़ा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। शुरूआत में हार्ट अटैक या अन्य प्राकृतिक कारणों से मौत मानी जा रही थी। वहीं कमलेश ने पत्नी की हत्या का आरोप लगाते हुए अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था।एसीपी ने बताया कि महिला का मोबाइल घर से गायब था। सीडीआर निकलवाई गई तब

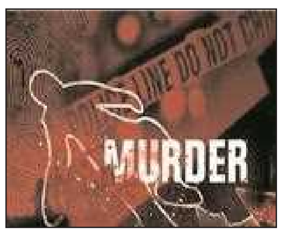

एक अन्य नंबर मिला। उसकी लोकेशन ट्रेस करने पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। एसीपी ने बताया कि आरोपी को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दो वर्ष पहले उसकी दोस्ती सोनिया से इंस्टाग्राम पर हुई थी। तब सोनिया शादीशुदा थीं और उसके दो बच्चे भी थे। दोस्ती प्यार में बदली और मिलना-जुलना शुरू हो गया। एक वर्ष पहले उसकी भी शादी हो गई। उसकी भी एक माह की बेटी है। सोनिया उस पर पत्नी को छोड़ने और शादी करने का दबाव बना रही थी। हर महीने परिवार को प्रेम-संबंध के बारे में बताने की धमकी देकर रुपये भी ऐंठ रही थी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर उसने हत्या की साजिश रची। 18 जून की दोपहर वह महिला के घर पहुंचा और बच्चों के सोने के बाद गले पर दुपट्टा रखकर हाथ से दबा दिया। इसके बाद फरूर्खाबाद स्थित अपनी ससुराल में जाकर छिप गया। पूछताछ में आरोपी किशन पाल ने बताया कि उसने कई दिनों तक हत्या की प्लानिंग की। गला दबाने पर कैसे हाथों के निशान न हो इसकी जानकारी भी हासिल की। 18 जून की दोपहर वह महिला के घर पहुंचा और आराम से नहाकर खाना भी खाया। इस दौरान एक पड़ोसी ने उसे घर में देखा भी था। शाम करीब 5:21 से 5:50 बजे के बीच वारदात को अंजाम दिया और भाग गया। वारदात के समय सोनिया का गला दबाने से पहले हाथों को दुपट्टे से लपेट लिया था। वारदात के बाद अपना मोबाइल नंबर भी दूसरी नेटवर्क कंपनी में पोर्ट करवा लिया। छिपने के लिए पहले वह अपने नोएडा निवासी दोस्त के घर पहुंचा था, लेकिन उसके घर न होने की वजह से वह वहां से भाग कर अपनी ससुराल चला गया था।

मुरादाबाद में छेड़छाड़ का विरोध करने पर लड़की और उसके पिता से मारपीट

उत्तर प्रदेशः मुरादाबाद में छेड़छाड़ का विरोध करने पर लड़की और उसके पिता से मारपीटमुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में छेड़छाड़ का विरोध करने पर नाबालिग किशोरी और उसके परिवार से मारपीट का मामला सामने आया है। इस हमले में लड़की के पिता को गंभीर चोटें आईं। सिर में गहरी चोट लगी है। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस इस मामले में एफआईआर दर्ज करके आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में कथित तौर पर मदरसे में पढ़ने वाली नाबालिग किशोरी के साथ कुछ दबंग युवक लगातार छेड़छाड़ कर रहे थे। जब किशोरी के पिता ने इस हरकत का विरोध किया तो आरोपियों ने न सिर्फ किशोरी को डराने की कोशिश की, बल्कि उसके पिता को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया।

पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उसकी बच्ची मदरसे में पढ़ने जाती थी। उसके साथ एक लड़का छेड़छाड़ करता था। बेटी ने घर आकर हमें जानकारी दी थी। जब बच्ची की मां ने समझाने की कोशिश की तो कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़ित ने कहा, "मैं काम से लौटकर आया था और खाना खा रहा था। उसी समय घर के बाहर शोर होने लगा। बाहर कई लोग आए हुए थे, जो मुझे उठाकर ले गए और बहुत मारा। लाठी-डंडों के साथ घर में घुसकर हमारे परिवार से मारपीट की गई।"

इस घटना पर पुलिस अधिकारियों ने जवाब दिया है। एसपी देहात, कुंवर आकाश सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दो पक्षों के बीच मारपीट हो रही है।

34 हजार सरकारी-गैर सरकारी भवनों में लगे रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

लखनऊ । योगी सरकार वर्षा जल संचयन को लेकर व्यापक अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के करीब 34,000 सरकारी व अर्ध सरकारी भवनों में रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग (आरटीआरडब्ल्यूएच) सिस्टम स्थापित कर दिया गया है। आने वाले समय में एक लाख से अधिक भवनों को भी इस सुविधा से युक्त बनाया जाएगा। यह भूजल स्तर को रिचार्ज करने और जल संकट से निपटने की दिशा में काफी महत्वपूर्ण कदम है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के कुल 2 लाख 35 हजार सरकारी एवं अर्ध सरकारी भवनों को वर्षा जल संचयन प्रणाली से युक्त किया जाए। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के तहत 16 जिलों ने 100 प्रतिशत वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापना का कार्य पूरा कर लिया है। इनमें अयोध्या, अम्बेडकर नगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, बलिया, झांसी और पीलीभीत शामिल हैं।

कथावाचक के साथ दुर्व्यवहार निंदनीय : ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचक के साथ हुए दुर्?यवहार पर सियासत तेज हो गई है। इस घटना को उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने निंदनीय बताया। उन्?होंने दावा किया कि इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए, दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कथावाचक के साथ हुए दुर्?यवहार की हम निंदा करते हैं। इस तरह की घटनाएं समाज में बुरा संदेश देती हैं; ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। ऐसी घटनाओं से सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है; मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की

जाएगी।

दरअसल, इटावा के थाना बकेवर इलाके के दान्दरपुर गांव में कथा कथावाचक और उनके सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार हुआ था। जातिसूचक टिप्पणी और कहासुनी के बाद कथावाचक और उनकी टीम के सदस्यों को ग्रामीणों ने घेरकर पहले बाल कटवाए और नाक भी रगड़वाई थी।

वहीं, राजभर ने अबू आजमी पर भी हमला बोला। उन्?होंने कहा कि अबू आजमी को अपने कौम की बेहतरी के लिए सोचना चाहिए, अमन चैन कैसे रहे, शिक्षा कैसे बेहतर हो, इस पर सोचना चाहिए। ये लोग गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। ये लोग हमेशा हिंदू-मुसलमान की बात करते हैं, इंसानियत की बात क्यों नहीं करते ये लोग?

बता दें कि महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सपा विधायक अबू आजमी ने पंढरपुर वारी पालकी यात्रा को लेकर ट्रैफिक जाम का हवाला देते हुए विवादित बयान दिया।

अमर नाथ यादव हत्या की जांच करने कांग्रेस टीम भगवती चौधरी के नेतृत्व में 25 जून को जाएगी

लोक प्रेरणा

लखनऊ। सोनभद्र जिले के शाहगंज माची गांव किसान अरमनाथ यादव की गोली मारकर हत्या के सम्बन्ध में वस्तु स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधि मण्डल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर भगवती प्रसाद चौधरी पूर्व विधायक पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य के नेतृत्व में 18 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल सोनभद्र जिले के मांची गांव में बुधवार 25 जून को जाएगा।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी परिपत्र का हवाला देते हुए बताया है कि सोनभद्र जिले में जिस तरह से

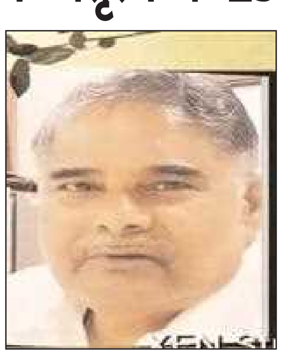

नृशंस तरीके से अमर नाथ यादव की हत्या कर दी गई है।

उसकी सच्चाई जानने के लिए 18 सदस्यीय टीम बुधवार को मांची शाहगंज गांव जाएगी। श्री चौधरी ने बताया कि इस टीम गठित की सूचना सोनभद्र जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को सूचनार्थ दे दिया गया है। इसके अलावा लोकसभा में एवं राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष क्रमशः राहुल गांधी एवं मल्लिकार्जुन खड़गे, सीएलपी लीडर डा आराधना मिश्र मोना को भी दिया गया है।

पीसीसी द्वारा गठित टीम में पूर्व विधायक एवं सोनभद्र संसदीय क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी भगवती प्रसाद चौधरी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़, रार्वटसगंज शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष फरीद अहमद, पूर्व जिला अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट रमेश देव पांडेय, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश द्विवेदी, जितेन्द्र कुमार पासवान, राजीव त्रिपाठी, कमलेश ओझा, श्रीमती ऊषा चौबे, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, घोरावल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दावेदार विनोद तिवारी, शशांक मिश्र, विशाल , हिमाचल साहनी, रामेश्वर यादव, बृजेश त्रिपाठी, लालू राम पांडेय, श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, आदि शामिल रहेंगे।

मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक कर प्रगति के बारे में ली जानकारी

लोक प्रेरणा

मिर्जापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मण्डलीय अपर निदेशक संयुक्त निदेशक मण्डलीय कार्यक्रमध्लेखा प्रबन्धक एवं अन्य मण्डलीय टीम के साथ मण्डल के समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकरी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी आई0सी0डी0एस0 तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

समीक्षा बैठक का आरम्भ विगत बैठक में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन पर चर्चा से की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से आच्छादित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे वित्तीय प्रगति समीक्षाए एच0एम0आई0एस0 कार्यकम की समीक्षाए आर0सी0एच0 कार्यक्रम की समीक्षाए कम्युनिटी प्रोसेस कार्यक्रम की समीक्षाए शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यकम की समीक्षाए क्वालिटी एश्योरेंश कार्यक्रमए राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यक्रमए के उपलब्धियों की समीक्षा के साथ ही यूनिसेफ एवं अन्य सहयोगी संस्था समर्थित कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मण्डलायुक्त द्वारा समस्त कार्यक्रमों की गहन समीक्षा करते हुएए कम प्रगति वाले बिन्दुओं पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुएए 15 दिवस में सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

कार्बन क्रेडिट में भारत का दूसरा नगर निगम होगा गाजियाबाद, स्वीकृति की कार्यवाही पूर्ण

कार्बन क्रेडिट पहल का पर्यावरण संरक्षण मे रहेगा योगदान, नगरीय निकायों के राजस्व में होगी वृद्धि-नगर आयुक्त। नगर निगम का वैश्विक मंच पर कार्बन क्रेडिट परियोजना मे पंजीकृत होना शहर वासियों के लिए गर्व का विषय- महापौर

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम वैश्विक मंच पर कार्बन क्रेडिट परियोजना पंजीकृत करने वाला उत्तर प्रदेश में पहला तथा भारत में दूसरा नगर निगम बना है, स्थायित्व और जलवायु कार्रवाई की दिशा में एक अग्रणी कदम उठाते हुए गाजियाबाद नगर निगम अपने स्थाई प्रथाओं के माध्यम से कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्बन बाजार में भाग लेने वाला उत्तर प्रदेश का पहला शहरी स्थानीय निकाय बन गया है, जिसके लिए महापौर सुनीता दयाल द्वारा शहर वासियों को शुभकामनाएं दी गईह्लनगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के कुशल नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पुरानी लाइटों को बदलते हुए नई एलइडी लाइट लगवाई गई तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्रम में गीले कचरे से कंपोस्टिंग की कार्यवाही को बढ़ाया गया जिसके फल स्वरुप परियोजनाओं से अनुमानित 270000 टन कार्बन उत्सर्जन में कभी आने की उम्मीद है, 1 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की कमी एक कार्बन क्रेडिट के बराबर है इन प्रमाणित कार्बन क्रेडिट को अब अंतर्राष्ट्रीय कार्बन बाजार में बिक्री के माध्यम से मुद्रीकृत किया जा

सकता है जिससे पर्यावरणीय जिम्मेदारी को भी बढ़ावा मिलेगा तथा गाजियाबाद नगर निगम के लिए एक नया राजस्व स्रोत बनेगा। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा दक्षता में निगम की कार्यवाही को संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ओं क्लाइमेट चेंज द्वारा समर्थित सत्यापित मानक वीसीएस कार्यक्रम के तहत सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया है वीसीएस ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और हटाने के उद्देश्य से परियोजनाओं की प्रमाण के लिए एक विशेष स्तर पर मान्यता प्राप्त कार्यक्रम है, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा परियोजनाओं के क्रम में दिसंबर 2023 में वेरा रजिस्ट्री में प्रस्तुत किया गया था, जून 2025 में पूर्ण सत्यापन और पंजीकरण प्राप्त किया गया है, पंजीकरण की प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्री और उसके मान्यता प्राप्त लेखा प्रशिक्षकों द्वारा कठोर मूल्यांकन करते हुए रिपोर्ट शामिल किया गया है, यह उपलब्धि न केवल गाजियाबाद बल्कि उत्तर प्रदेश राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है यह पहला पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगी बल्कि शहर को आर्थिक लाभ भी पहुंचाएगी, नगर आयुक्त द्वारा आगामी योजनाओं में भी कार्बन क्रेडिट को विशेष ध्यान में रखते हुए कार्य करने के निर्देश टीम को दिए गएह्ल महापौर सुनीता दयाल द्वारा कार्बन क्रेडिट हेतु पंजीकरण की कार्यवाही को पूर्ण होने पर शहर वासियों को शुभकामनाएं दी गई, कार्बन क्रेडिट परियोजना पंजीकृत के अंतर्गत गाजियाबाद नगर निगम ने उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है जो कि पूरे शहर के लिए हर्ष का विषय हैह्ल महापौर द्वारा शहर वासियों से गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर हित में किए जा रहे कार्यों में सहयोग करने की अपील भी की गई गीला कचरा तथा सूखा कचरा अलग-अलग करते हुए निगम के अधिकृत वाहनों में डालने के लिए अपील की गई तथा गीले कचरे से कंपोस्टिंग हेतु मोटिवेट किया गया।

राज्य सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा का सत्याग्रह

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। राज्य सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरोध स्वरूप कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर गाजियाबाद जनपद में कलक्ट्रेट गाजियाबाद पर गांधीवादी नीति के तहत सत्याग्रह करते हुए सभी पदाधिकारी कर्मचारी ने भूख हड़ताल करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन के माध्यम से मा मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन सौपा गया। आंदोलन सत्याग्रह में प्रमुख रूप से नगर निगम गाजियाबाद अध्यक्ष रविन्द्र कुमार उपाध्यक्ष संजय शर्मा, जयदेव कौशिक, संजय वर्मा ,राकेश यादव कुलदीप शर्मा , मनोज शर्मा ह्ल

GDA से श्रीचंद्र सारस्वत, रोडवेज से वेदप्रकाश कृष्णपाल, उमेश त्यागी सुभाष, ऋषिपाल, स्वास्थ्य विभाग से नरेंद्र शर्मा, दिव्या पांडेय, शोभा पटेल, संजय शर्मा, संजय यादव, शैलेन्द्र मिश्रा , शिक्षा विभाग ATEWA से

मनीष शर्मा, रजनी शर्मा, सेतु निगम से सुशील मिश्रा , कुलदीप नेगी, सिंचाई विभाग श्री संजीव वत्स, वाहन चालक संघ स्व सलिम अब्बासी BMS राजेन्द्र शर्मा, सतपाल यादव के पी सिंह करना यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। सभा का संचालन नरेंद्र शर्मा एवं अध्यक्षता रविन्द्र कुमार ने की मोर्चा के संयोजक राकेश अग्निहोत्री ने बताया 8 वर्ष से भाजपा एनडीए सरकार प्रदेश में है परंतु खेद का विषय है कि मुख्यमंत्री जी ने एक बार भी कर्मचारियों/शिक्षकों की मांगों पर बैठक नहीं की जिसके कारण महत्वपूर्ण कई मामले लंबित पड़े हैं। मुख्य सचिव स्तर पर भी बैठक 18 नवंबर 2024 को बैठक हुई थी परंतु उसमें लिए गए निर्णय का कार्यवृत्त नहीं जारी किया गया।

इस कारण प्रदेश के कर्मचारीध्शिक्षक आक्रोशित हैं और आंदोलन करने का दबाव बना रहे हैं। इसी के तहत यह कार्यक्रम किया जा रहा है।

सातवें वेतन आयोग और संवर्गों का पुनर्गठन ,सेवा नियमावलियां ,वेतन विसंगतियां ,आउटसोर्स कर्मचारी की सेवा सुरक्षा न्यूनतम वेतन ,रिक्त पदों पर नियुक्तियों में वरीयता, रोडवेज सहित सभी राजकीय निगमों ,विकास प्राधिकरणों ,शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की मांगों ,शिक्षकों की मांगों पर सार्थक निर्णय नहीं हो पा रहे हैं।संगठनों के सचिवालय प्रवेश पत्र न बनने से संवाद बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के आदेश के बावजूद मोर्चा के पदाधिकारी के प्रवेश पत्र नहीं बन पाए हैं। फाइल प्रमुख सचिव कार्मिक के पास लंबित पड़ा है। संवादहीनता के कारण कर्मचारियों में तीव्र आक्रोश व्याप्त है।

शासन स्तर पर अधिकारियों से संपर्क नहीं हो पता है उन्होंने कहा कि लगता है कि सरकार कर्मचारीध शिक्षक संगठनों को समाप्त करने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में कर्मचारियों से मोर्चा ने आग्रह किया कि सरकार का ध्यान आकर्षण करने के लिए आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए वरना सरकार संगठनों को समाप्त कर देगी।

प्रमुख मांगे:-

1. पुरानी पेंशन बहाल की जाय।
2. 7वें वेतन आयोग के संस्तुतियों के उपरान्त व्याप्त विसंगतियां दूर करते हुए वेतन समिति की रिपोर्ट को प्रकाशित कर उसके पूर्ण लाभ प्रदेश के राज्य कर्मचारी, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक निगम, परिवहन निगम, प्राधिकरण, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर एवं स्वयं सेवी संस्थाओं आदि के कर्मचारियों पर सामान्य रूप से लागू किया जाय तथा प्रदेश के सभी विभागों के कर्मचारियों को समय से वेतन/भत्ते/पेंशन आदि दिया जाना सुनिश्चित किया जाय।
3. प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 01 जनवरी, 2020 से दिनांक 31 जुलाई, 2021 तक फ्रीज महंगाई भत्ते का एरियर भी अनुमन्य किया जाय एवं परिवार नियोजन, सी0सी0ए0 सहित बन्द किये गये अन्य समस्त भत्ते बहाल किये जाय आदि प्रमुख मांगें।

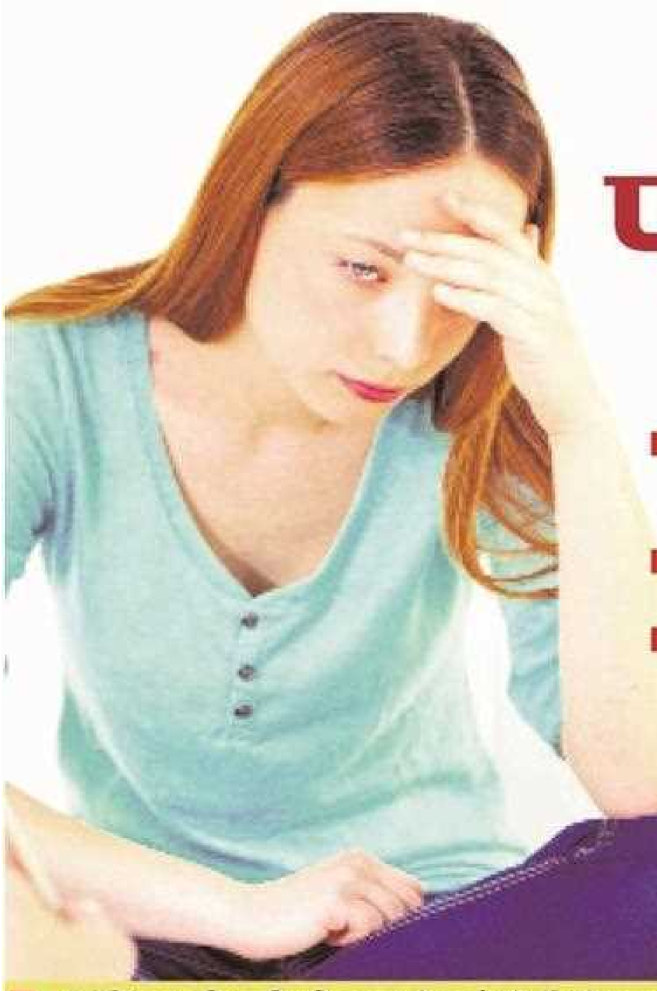

शरीर में पोटेशियम कितना जरूरी

- पोटेशियम आपके तंत्रिका तंत्र और रक्त संचार को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है
- शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होती है
- कब्ज की शिकायत भी हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती

पोटेशियम की कमी की वजह से कई लोगों को तनाव हो जाता है

हमारा शरीर पांच तत्वों से बना है। हमारे शरीर को सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत होती है। हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए हर प्रकार के पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। इन्हीं में से एक पोटेशियम नामक तत्व भी होता है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाती है तो कई प्रकार के रोग और विकार, मनुष्य के शरीर को घेर लेते हैं। इसकी कमी की वजह से कई लोगों को तनाव भी हो जाता है। इसीलिए आपने देखा होगा कि तनावग्रस्त लोगों को काला नमक डालकर केला खाने की सलाह दी जाती है।

पोटेशियम की कमी होने के लक्षण

मांसपेशियां कमजोर: अगर आपको रोज ही मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और टीस रहती है तो शायद आपके शरीर में पोटेशियम की कमी हो गई है।

झनझनाहट : शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होता है, क्योंकि पोटेशियम ही आपके तंत्रिका और रक्त संचार को सुचारू रूप से होने में मदद करता है।

दिल तेजी से धड़कना : पोटेशियम की कमी से हार्ट की मांसपेशियों में संकुचन आ जाता है। जिसकी वजह से वह सामान्य रूप से नहीं धड़क पाता।

कब्ज : पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को कब्ज की शिकायत हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती है।

मानिसक दबाव: पोटेशियम की कमी से मानिसक दबाव होने लगता है और कई बार व्यक्ति तनाव में रहने लगता है। अवसाद की स्थिति में पोटेशियम की कमी ही कुछ हद तक जिम्मेदार होती है।

हाइपरटेंशन: शरीर में पोटेशियम कम होने पर रक्त वाहिकाओं में समस्या आने लगती है और मस्तिष्क तक रक्त का संचार ठीक ढंग से नहीं हो पाता है और व्यक्तिको सोचने व समझने में दिक्कत होती है। यह एक गंभीर स्थिति होती है।

मतली: अगर आपको बिना वजह ही मतली आती रहती है तो पोटेशियम की कमी आपके शरीर में हो चुकी है। आपको शीघ्र ही शरीर में पोटेशियम तत्व भरपूर करने वाले खाद्यो की पूर्ती करनी चाहिए।

नीम की चाय बीमारियों को करे गुड बाय

नीम नाम सुन कर ही हमें कड़वेपन का ऐहसास होने लगता है। जिस तरह सच्ची बात हमेशा ही कड़वी होती है, उसी तरह नीम भी कड़वापन लिए आपकी बीमारियों के लिए सच्ची तरह दूर करने में सहायक होता है। यूं तो नीम की पत्तियों और दांतून आपकी दांतो और त्वचा की देखभार करता ही है पर अब यदि आप नीम की चाय या फिर नीम का काढ़ा बना कर पीएं तो आपका स्वास्थ्य और भी ज्यादा निखर सकता है। जाने कैसे :

1. **बैक्टीरिया और वायरस का करता है नाश :** नीम शरीर में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में असरदार है। यह आपके शरीर की बीमारियों को जड़ से निकालने की कोशिश करता है।
2. **सांसो की बदबू दूर करे:** यदि सांसो से बदबू आने की समस्या है तो नीम की चाय से आपकी यह प्रॉब्लम भी दूर हो सकती है। नीम दांतों की सड़न से भी बचाती है।

3. **कब्ज दूर करे :** यदि आपको कब्ज की समस्या है तो आप नीम से बनी हुई चाय पी सकते हैं। यह आपकी पाचन क्रिया को दुरूस्त करके आपकी कब्ज की प्रॉब्लम दूर करता है।
4. **खून साफ करे:** नीम को खून साफ करने में महारत हॉसिल है। यह खून को साफ कर के हमें निरोगी बनाती है। नीम की चाय बड़ी-बड़ी बीमारियां जैसे, निमोनिया, मलेरिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और दिल के रोग से बचाती है। नीम की चाय कैसे बनती है और इसे पीते वक्त क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए।

नीम की चाय बनाने की विधि:- जरूरत के हिसाब से पानी उबाल लें। एक कप में मुठ्ठीभर नीम की पत्तियां डालें और ऊपर से उबला पानी डालें। नीम की पत्तियों को पानी में 5-7 मिनट तक भिगोए रखने के बाद पत्तियों को छान लें। फिर कप के पानी में शहद या नींबू का रस मिक्स करें। आप चाहें तो नीम की पत्तियों के अलावा नीम की पत्तियों का पॉवडर भी डाल सकते हैं।

नीम की चाय का साइड इफेक्ट:

1. वैसे तो नीम की चाय स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है पर इसके कुछ साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। यदि कोई महिला गर्भवती हैं या फिर गर्भवती होने वाली है, तो इस चाय को पीने से बचें। यह चाय आपका गर्भपात कर सकती है।
2. नीम की चाय केवल दो कप ही पीनी चाहिए क्योंकि यह बहुत तेज होती है इसलिए इसे ज्यादा पीने से आपको उल्टी जैसा महसूस हो सकता है।
3. नीम की चाय रोज न पीएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विस्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी क्षुब्धता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मक्षुब्धतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4095

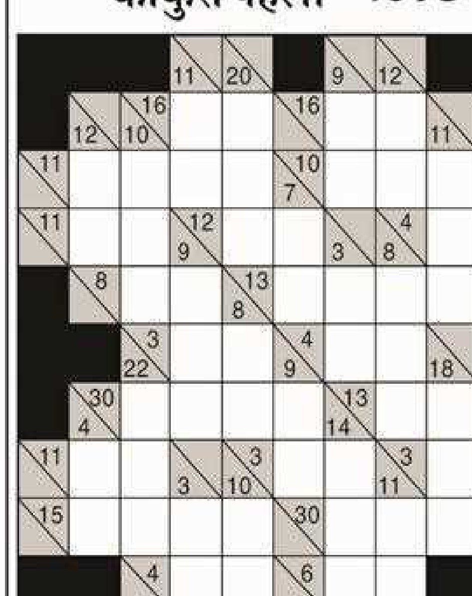

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

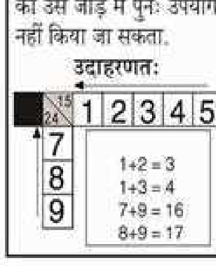

काकुरो - 4094 हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अनूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. रजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4094

सूडोकु -4095

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4094 हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 4095

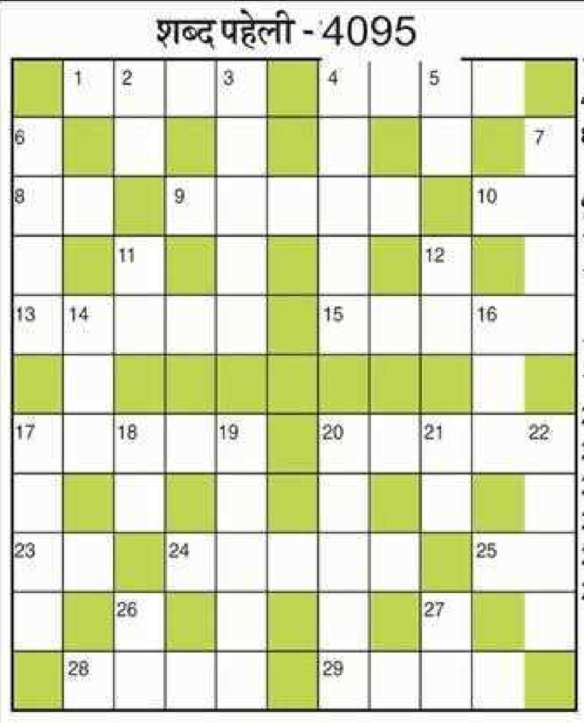

बाएँ से दाएँ

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त,अकाल-5
20. प्रयास,कोशिश-5
23. टोंटी,नलका-2
24. कामदेव,पुष्कर-2,3
25. डर,भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2. बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा,नुकसान-2
6. मूर्ख,बेवकूफ-4
7. बिना कारण,बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम,संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह,किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद्,अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली 4094 हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।